केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क- bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :48 अंक 50 बुधवार 9 सितम्बर 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

अभिकर्ता संघ के गोरखपुर मण्डल अध्यक्ष बने राम विनय पाण्डेय का स्वागत

भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारतीय जीवन बीमा निगम के अभिकर्ता संघ का मंडल अध्यक्ष निर्वाचित होने पर राम विनय पांडेय का मंगलवार को स्वागत किया गया। शाखा में संघ के पदाधिकारियों और सदस्यों ने मंडल अध्यक्ष का स्वागत किया। लाइफ इंश्योरेंस एजेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया–1964 (लियाफी 1964) एलआईसी अभिकर्ता संघ का गोरखपुर के सिविल लाइन क्षेत्र के होटल में बीते रविवार को चुनाव संपन्न हुआ। जिसमें राम विनय पांडेय को मंडल अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। चुनाव में गोरखपुर मंडल के नौ जिलों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

सम्मान समारोह में मंडल अध्यक्ष राम विनय पांडेय ने कहा कि अभिकर्ताओं के सम्मान और अधिकार के लिए संघ हमेशा समर्पित रहा है। हम सब मिलकर हर स्तर पर अभिकर्ता साथियों के अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष करेंगे। संघ ने प्रदीप कुमार शुक्ल को बस्ती का नया जिलाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। सम्मान समारोह को संघ के पदाधिकारी और शाखा कार्यालय के अधिकारियों ने भी संबोधित किया।

इस दौरान अभिकर्ता संघ के बस्ती शाखा के कोषाध्यक्ष शिवेंद्र कुमार सिंह, महामंत्री राम चंद्र शुक्ला, संरक्षक समित के वरिष्ठ सदस्य जितेंद्र नाथ मिश्रा, कृष्ण कुमार उपाध्याय, राम बिहारी उपाध्याय, विजय चौधरी, शिव कुमार शुक्ला, एसपी चौधरी, राम महेश यादव, टी एन सिंह लालजी तिवारी मोहमूद अहमद सिद्दीकी राम महेश यादव टी यन सिंह सुभाष वर्मा, राजेश कुमार सिंह, लालमणि लाल श्रीवास्तव विवेकानंद श्रीवास्तव सहित अन्य लोग मौजूद रहे। संचालन महामंत्री राम चंद्र शुक्ल ने किया।

हवन से परिवार में बनी रहती है सुख–समृद्धि

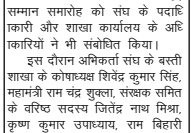

भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। आर्य समाज नई बाजार, बस्ती में चल रहे त्रिदिवसीय वेद प्रचार कार्यक्रम के तीसरे दिन का शुभारंभ स्वामी दयानंद विद्यालय सुरतीहट्टा और रिहैब प्लस एजुकेशन सेंटर, सुरतीहट्टा से हुआ। योग शिक्षिका नीलम मिश्रा के नेतृत्व में आयोजित इस प्रभात सत्र में राकेश पाण्डेय ने सपत्नीक यजमान रहे।

देवयज्ञ (हवन) संपन्न कराते हुए आचार्य सुरेश जोशी ने भारतीय वैदिक काल गणना के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि यज्ञ एवं कर्मकांड से पूर्व संकल्प लेने की परंपरा अत्यंत प्राचीन और वैज्ञानिक है। संकल्प के दौरान सृष्टि संवत, मन्वंतर, युग, मास, पक्ष, तिथि, गोत्र और स्थान का उच्चारण हमें अपने गौरवशाली इतिहास और समृद्ध संस्कृति से जोड़ता है। उन्होंने कहा कि यह संकल्प न केवल हमारी जड़ों की याद दिलाता है, बल्कि परिवार की सुख, शांति और समृद्धि की आधारशिला भी रखता है।

कार्यक्रम में उपस्थित श्रद्धालुओं ने वेदमंत्रों के साथ आहुतियां प्रदान कीं। तत्पश्चात विदुषी रुक्मिणी जोशी ने अपने ओजस्वी और प्रेरक भजनों से श्रोताओं को भावविभोर कर दिया।

आचार्य सुरेश जोशी ने 'त्रैतवाद' के गूढ़ दर्शन को सहज रूप में समझाया। आर्य समाज नई बाजार के प्रधान ओम प्रकाश आर्य ने कार्यक्रम के उद्देश्यों पर बल देते हुए कहा कि वैदिक विचारों का प्रसार ही जन–जन को सही और सन्मार्ग चुनने की दिशा दिखाता है। कार्यक्रम का संचालन करते हुए आचार्य देवव्रत आर्य ने सत्संग के दूरगामी आध्यात्मिक और सामाजिक लाभों से अवगत कराया।

बुजुर्गों को किराए पर मकान देगी सरकार

लखनऊ (आभा)। योगी आदित्यनाथ सरकार यूपी के शहरी क्षेत्रों में रहने वाले बुजुर्गों के लिए जल्द ही नई रेंटल हाउसिंग नीति लेकर आने जा रही है। इसमें प्रदेश के सीनियर सिटीजन को सस्ते दरों पर मकान देने की सुविधा होगी। नीति तय करने के लिए सचिव आवास की अध्यक्षता में नौ सदस्यीय समिति बना दी गई है। विशेष सचिव आवास राजेश कुमार राय ने इस संबंध में शासनादेश जारी कर दिया है। इसमें लखनऊ, कानपुर, गाजियाबाद, वाराणसी और मेरठ विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष को रखा गया है। अपर आवास आयुक्त आवास विकास परिषद और मुख्य नगर एवं ग्राम नियोजक नगर और ग्राम नियोजन विभाग भी सदस्य होंगे। निदेशक आवास बंधु को सदस्य संयोजक बनाया गया है। समिति नीति के संबंध में प्रस्ताव तैयार करते हुए अपने संस्तुति देगी।

राज्य सरकार चाहती है कि प्रदेश के बुजुर्गों को बुढ़ापे में इधर–उधर न भटकना पड़े। खराब स्थिति या फिर जरूरत पड़ने पर उन्हें सस्ते दरों पर किराए पर मकान उपलब्ध कराया जाए। इसी को ध्यान में रखते हुए नीति बनाने के लिए समिति बनाई गई है। बताया जा रहा है कि प्रदेश के सभी शहरों में इस तरह के मकान बनाए जाएंगे और इसे केवल बुजुर्गों को दिया जाए।

योगी सरकार लगातार बुजुर्गों को सशक्त बनाने के लिए प्रावधान कर रही है। नई रेंटल हाउसिंग नीति में बुजुर्गों के लिए खास प्रावधान से पहले सरकार ने पिछले महीने बुजुर्गों को यह कानूनी हक दिया था कि वे देखभाल न करने वाली संतानों को अपनी संपत्ति से बेदखल कर सकते हैं। योगी कैबिनेट ने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों के सम्मानजनक जीवन और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए यह कदम उठाया गया है।

सिंचाई बंधु की बैठक में गूंजा नहरों के उफान, नलकूपों के बंद होने का मुद्दा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सिंचाई बंधु की बैठक उपाध्यक्ष गजेन्द्र मणि त्रिपाठी की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक को सम्बोधित करते उन्होंने कहा कि हो रही वर्षा के दृष्टिगत जनपद में संचालित नहरों में जल उफान की स्थिति उत्पन्न हुई है ऐसी स्थिति में हो रहे रिसाव, अवैध कटों को तत्परतापूर्वक बंद कराया जाए, जिससे सिंचन जल का अनावश्यक बहाव न हो। उन्होंने सरयू नहर खण्ड–4, बस्ती के अधिशासी अभियन्ता/नोडल को निर्देशित किया कि संचालित सभी खण्ड के अभियंतागण अपने से सम्बन्धित नहरों की निगरानी सतर्कतापूर्वक करते रहें। किसानों की आने वाली समस्याओं का त्वरित निस्तारण करायें।

विधायक प्रतिनिधि रूधौली कुलदीप मौर्य ने सूरतगढ़ व शुमाली माइनर में पानी न पहुंचने की जानकारी दी और उसके बारे में अपडेट मांगा। उक्त क्रम में अधिशासी अभियन्ता/नोडल ने सहायक अभियंता के निर्देशन में गठित टीम के माध्यम से 10 सितम्बर को उक्त माइनरों का निरीक्षण कर तत्काल समाधान कराये जाने का आश्वासन दिया है।

विधायक प्रतिनिधि कप्तानगंज गुलाबचंद सोनकर ने अधिशासी अभियन्ता नलकूप के बैठक में स्वतः प्रतिभाग न करने पर कड़ी नाराजगी जतायी। उन्होंने पूर्व की बैठक में निर्देशित वित्तीय वर्ष 2024–25 तथा 2025–26 की परियोजनाओं पर किए गये व्यय की जानकारी व सूची की मांग किया। बैठक में उपस्थित सहायक अभियन्ता नलकूप ने बताया कि उक्त की सूची यथाशीघ्र उपलब्ध करा दी जायेगी। वर्तमान में 668 नलकूपों में से यांत्रिक दोष से 5 तथा विद्युत दोष से 4 नलकूप बंद है। कृषक हित में 659 नलकूप वर्तमान में संचालित हैं। बंद नलकूपों को शीघ्र संचलन की कार्यवाही की जा रही है।

उप निदेशक कृषि अशोक कुमार ने बताया कि किसानों के लिए तोरिया, चना, गेहूं, मटर के बीच किसानों को उपलब्ध कराने के लिए ऑनलाइन बुकिंग शुरू की गयी है। कृषकगण ऑनलाइन पोर्टल पर 30 सितम्बर तक अपना पंजीकरण करा सकते हैं। इसके अलावा निर्धारित शुल्क पर भी पर्याप्त मात्रा में बीजों को उपलब्ध कराया जायेगा।

जिला कृषि अधिकारी डॉ0 बाबूराम मौर्य ने बताया कि जनपद में उर्वरकों की पर्याप्त मात्रा उपलब्ध है, कोई कमी नहीं है। बैठक का संचालन सहायक अभियन्ता सरयू नहर खण्ड–4, विजय कुमार आर्य ने किया। बैठक में सदर विधायक के प्रतिनिधि मो0 सलीम, परियोजना निदेशक आनन्द कुमार गुप्ता, वन विभाग से रेंजर शकील अहमद, दुर्गेश श्रीवास्तव के साथ ही विद्युत विभाग, भूगर्भ जल, गन्ना विभाग, बाढ़ खण्ड से सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

पति को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में पत्नी गिरफ्तार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। छावनी थाना क्षेत्र के बबुरहवा गांव में रामबहाल यादव (50) की गोली लगने से हुई मौत के मामले में पुलिस ने उसकी दूसरी पत्नी इन्द्रावती देवी को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में घटना को आत्महत्या बताया गया है। इसके बाद पहले दर्ज हत्या के मुकदमे में आत्महत्या के लिए उकसाने की धारा में कार्रवाई की गई है। पुलिस के मुताबिक, 3 सितंबर की शाम करीब 6रू45 बजे रामबहाल के घर से गोली चलने की आवाज आई थी। कुछ देर बाद इन्द्रावती रोते हुए घर से दुकान की तरफ पहुंची और लोगों को बताया कि उसके पति ने खुद को गोली मार ली है। परिजन रामबहाल को सीएचसी हर्रैया ले गए, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

5 सितंबर को रामबहाल के परिवार की शिकायत पर पुलिस ने दूसरी पत्नी इन्द्रावती, उसके पहले पति के बेटे सर्वेश और एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया था। पुलिस ने घटनास्थल से मिले साक्ष्यों, गवाहों के बयान, सीसीटीवी फुटेज, पोस्टमार्टम करने वाले डॉक्टर की रिपोर्ट और फील्ड यूनिट की जांच के आधार पर मामले की पड़ताल की।

पुलिस के अनुसार, जांच में सामने आया कि रामबहाल शराब पीता था। आरोप है कि इन्द्रावती उस पर जमीन बेचकर दुकान बनवाने, जेवर गिरवी रखने और बच्चों के भविष्य को लेकर लगातार दबाव बनाती थी। पुलिस का दावा है कि इसी वजह से रामबहाल मानसिक रूप से परेशान था और उसने खुद को गोली मार ली। सीओ बृजेश सिंह ने बताया कि घटना के बाद इन्द्रावती ने डर के कारण तमंचा छिपा दिया था। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने 315 बोर का अवैध तमंचा और एक चला हुआ खोखा कारतूस बरामद किया। पुलिस ने इन्द्रावती को उसके घर से गिरफ्तार किया। इसके बाद उसे कोर्ट में पेश किया गया।

डाक्टर से वसूले 4 लाख, थानेदार ने जान दिया: ब्लैकमेलर महिला ने प्रेमी को भी नहीं छोड़ा, मां बोली– सजा मिले

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। "बेटी दोषी है तो उसे सजा मिले, लेकिन मेरे पति निर्दोष हैं। जो वकील है, उसी ने प्रियंका से सब कुछ कराया। हम बस यही चाहते हैं कि हमारे पति को छुड़वा दीजिए।" ये शब्द हैं प्रियंका चौधरी की मां सुभावती चौधरी के। उनकी बेटी पर ब्लैकमेलिंग के गंभीर आरोप हैं। बस्ती में तैनात थानेदार सूर्य प्रकाश सिंह ने इसी मामले से परेशान होकर 29 अगस्त को आत्महत्या कर ली थी।

पुलिस जांच में सामने आया कि प्रियंका पर पहले भी कई लोगों को जाल में फंसाकर पैसे वसूलने के आरोप लग चुके हैं। एक डॉक्टर ने बताया कि वह इतना परेशान हो गया था कि सुसाइड करने की सोचने लगा था। पुलिस ने 32 साल की प्रियंका, उसके पति और एक वकील को गिरफ्तार किया है।

वाल्टरगंज थाने में तैनात 56 साल के थानाध्यक्ष सूर्य प्रकाश सिंह ने 29 अगस्त को हनीट्रैप और ब्लैकमेलिंग से परेशान होकर आत्महत्या कर ली थी। सरकारी आवास में उनका शव मिला था। जांच में प्रियंका चौधरी, उसके पिता रामनयन चौधरी और वकील विजय प्रकाश के नाम सामने आए। पुलिस ने रविवार (6 अगस्त) को तीनों को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के मुताबिक, प्रियंका लोगों को प्रेमजाल में फंसाती थी। उन्हें वीडियो कॉल करती और चैटिंग के जरिए करीब आती थी। इसके बाद ब्लैकमेल कर पैसे ऐंठती थी। प्रियंका ने थानाध्यक्ष सूर्य प्रकाश को भी जाल में फंसाया और बाद में 1 करोड़ रुपए मांगे। पैसे नहीं देने पर हाथ की नस काटने की धमकी दी थी। आरोपियों ने तीन अन्य लोगों से भी 24 लाख रुपए वसूले थे। एक डॉक्टर भी इनके चंगुल में फंसा था। पुलिस के मुताबिक, सूर्य प्रकाश इस गिरोह के चौथे शिकार थे। अब गिरोह के संपर्क में आए अन्य लोगों की जानकारी जुटाई जा रही है।

वाल्टरगंज थाना क्षेत्र के गांधार गांव में उसकी मां सुभावती चौधरी, बाबा संपत चौधरी ने बताया कि उनकी दो बेटियां और एक बेटा है। बड़ी बेटी ससुराल में है, जबकि बेटा लखनऊ में नौकरी करता है।

प्रियंका की शादी 15 साल पहले पैकोलिया मुस्लिम गांव के महेंद्र प्रताप वर्मा से हुई थी। दोनों के एक बेटा और एक बेटी हैं। 14 साल का बेटा हाईस्कूल और 13 साल की बेटी 8वीं में पढ़ती है। सुभावती के मुताबिक, 9 साल पहले महेंद्र ने प्रियंका को छोड़ दिया था। इसके बाद वह बच्चों के साथ मायके आकर रहने लगी। उसने पति के खिलाफ दहेज उत्पीड़न की शिकायत भी की थी।

सुभावती ने बताया, उनकी ननद की कोई संतान नहीं थी और वह उनके साथ रहती थीं। उनकी मौत के बाद खेत परिवार को मिल गए। 2024 में खेत बेचकर बोलेरो खरीदी और पड़ोसी गांव जमदाशाही के अहमद रजा को ड्राइवर रखा। कुछ समय बाद प्रियंका और अहमद के बीच अफेयर हो गया। पता चलने पर परिवार ने प्रियंका को घर से निकाल दिया। बच्चों को अपने पास रख लिया। इसके बाद प्रियंका अहमद के साथ किराए के मकान में लिव–इन में रहने लगी। यह मकान एक डॉक्टर का था। प्रियंका एक वकील के जरिए थानाध्यक्ष सूर्य प्रकाश सिंह से बातचीत करती थी। हमने प्रियंका से मतलब रखना छोड़ दिया था। मेरे पति का नाम गलत जोड़ा गया। उनका कोई दोष नहीं है। हम प्रियंका की मदद नहीं कर रहे थे। मेरे पति को छोड़ दिया जाए।

प्रियंका–अहमद जिस डॉक्टर के घर किराए पर रहते थे, उसे भी शिकार बनाया। डॉक्टर ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि दो साल पहले उन्होंने दोनों को एक कमरा 2 हजार रुपए महीने के किराए पर दिया था। कुछ महीने बाद दोनों के बीच विवाद होने लगा। इसी दौरान प्रियंका ने बातचीत के बहाने मेरे फोटो–वीडियो बना लिए और मुझे ब्लैकमेल करने लगी। बदनामी के डर से मैं 4–5 हजार रुपए देकर मामला शांत करा देता था। तब प्रियंका ने इसकी जानकारी अहमद को नहीं दी थी। कुछ समय बाद अहमद को पूरी बात पता चली। प्रियंका ने उससे कहा कि मैंने उसके साथ जबरदस्ती की है। इसके बाद दोनों ने मिलकर मुझसे 4 लाख रुपए से ज्यादा वसूले। ब्लैकमेलिंग से मैं इतना परेशान हो गया था कि जान देने का विचार आने लगा था। बिना दवा लिए मुझे नींद नहीं आती थी। यहां तक कि खेत बेचकर भी प्रियंका को पैसे दिए थे।

प्रियंका जिस अहमद रजा के साथ लिव–इन में रहती थी, उसे भी जेल भिजवाया था। शिकायत में उसने आरोप लगाया था कि ड्राइवर अहमद ने चाकू की नोक पर रेप किया और पुलिस में जाने की बात पर शादी का झांसा देकर उसे घर से भगा ले गया। दोनों साथ रहने लगे, लेकिन अहमद शादी टालता रहा। उसके माता–पिता ने उसे नमाज पढ़ने और गोमांस खाने के लिए कहा। मना करने पर मारपीट की।तीन बार गर्भवती होने पर अहमद ने अबॉर्शन करवा दिया।इन आरोपों पर प्रियंका ने 29 मार्च 2025 को वाल्टरगंज थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने अहमद को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। वह करीब ढाई महीने जेल में रहा। फिलहाल जमानत पर है। अहमद के पिता अब्दुल नईम ने कहा कि प्रियंका खुद सबके सामने अहमद से शादी की बात कहती थी। उसने बेटे से 5 लाख रुपए से ज्यादा भी लिए थे। अहमद को शक हुआ कि प्रियंका उसे फंसा सकती है, इसलिए वह उससे दूरी बनाने लगा। जब प्रियंका को लगा कि अहमद रिश्ता खत्म करना चाहता है, तो उसने शिकायत कर दी। मामले में लव जिहाद का मुद्दा उठने के बाद हिंदू संगठनों ने विरोध–प्रदर्शन किया था।

आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का बढा मानदेय, नियुक्ति पत्र वितरित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की पावन जन्मभूमि अयोध्या में मंगलवार को नव नियुक्त आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा नव नियुक्त आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। इस कार्यक्रम का सजीव प्रसारण व मुख्यमंत्री के उद्‌बोधन को राजकीय इंटर कॉलेज (जीआईसी) बहुउद्देशीय हाल में जनप्रतिनिधियों,अधिकारियो, आंगनवाड़ी कार्यकत्रियो, सहायिकाओ तथा अन्य उपस्थित जनों ने देखा तथा सुना।

जनपद स्तर पर विधायक हर्रैया अजय सिंह, ब्लाक प्रमुख यशकान्त सिंह, विधायक प्रतिनिधि सरोज मिश्रा,जिलाधिकारी श्रीमती कृत्तिका ज्योत्स्ना, मुख्य विकास अधिकारी सार्थक अग्रवाल, ज्वाइट मजिस्ट्रेट अपूर्वा सिंह, ने संयुक्त रूप से आंगनबाडी कार्यकत्री,सहायिका,पंचायत सचिव, मुख्य सेविका,सुपोषित बच्चो एवं परिवार का सम्मान किया गया

विधायक हर्रैया अजय सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा आंगनबाडी कार्यकत्रीयो,सहायिकाओ के मानदेय में बढ़ोतरी की गई है तथा 5 लाख तक कैशलेस चिकित्सा सुविधा भी उपलब्ध होगी। उन्होंने कहा उत्तर प्रदेश सरकार निरंतर जनहित में काम कर रही है। ब्लॉक प्रमुख यशकान्त ने कहा कुपोषित बच्चों को सुपोषित की तरफ ले जाना सभी का दायित्व है। मानदेय बढ़ाये जाने तथा कैश लेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराये जाने के लिए मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद ज्ञापित करना चाहिए। इसके बाद जनप्रतिनिधियों व अधिकारीयों ने परिसर में लगे स्टाल अवलोकन किया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका मानवी सिंह ने किया

क्राइम ब्रांच का अधिकारी बनकर ठगने वाले गिरोह के दो सदस्य गिरफ्तार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। साइबर थाना पुलिस ने लोगों को क्राइम ब्रांच का अधिकारी बनकर ठगने वाले गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी पहले फोनपे और गूगलपे पर मोबाइल नंबर डालकर संबंधित व्यक्ति का नाम पता करते थे। इसके बाद खुद को क्राइम ब्रांच का अधिकारी बताकर पीड़ित को फोन करते और मुकदमे में फंसाने की धमकी देकर रकम वसूलते थे। आरोपी 42 पन्नों की सीडीआर मिलने और अश्लील वीडियो देखने का आरोप लगाकर लोगों को डराते थे। थाने में मामला खत्म कराने के नाम पर हजारों रुपए और कोर्ट से मामला खत्म कराने के लिए लाखों रुपए की मांग की जाती थी।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान आदित्य गुप्ता (28) निवासी दक्षिण दरवाजा, पुरानी बस्ती, मूल निवासी मसकनवा बाजार, गोंडा और अजय सिंह चौहान (24) निवासी कंचनपुर, कानपुर नगर, मूल निवासी भौसाना, कानपुर देहात के रूप में हुई है। अपर पुलिस अधीक्षक श्याम कांत ने मंगलवार शाम करीब 4 बजे मामले का खुलासा किया। पुलिस के मुताबिक, पूछताछ में आदित्य ने बताया कि वह करीब दो साल से साइबर अपराध में शामिल था। आरोप है कि वह गिरोह के सदस्यों को साइबर ठगी में इस्तेमाल होने वाले बैंक खाते और सिम उपलब्ध कराता था। ठगी से मिलने वाली रकम का करीब 30 प्रतिशत हिस्सा उसे मिलता था।

पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ साइबर थाना बस्ती में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस अब गिरोह से जुड़े अन्य लोगों, इस्तेमाल किए गए बैंक खातों और सिम की भी जानकारी जुटा रही है।

मिश्रौलिया में शुरू हुआ सड़क निर्माण नगरपालिका अध्यक्ष नेहा वर्मा ने किया निरीक्षण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। नगर पालिका अध्यक्ष नेहा वर्मा ने मंगलवार को भाजपा के वरिष्ठ नेता अंकुर वर्मा, सभासद राजन ठाकुर के साथ नगरपालिका के वार्ड नं. 2 संतपुर मिश्रौलिया में निर्माणाधीन सड़क का निरीक्षण किया। निर्देश दिया कि सड़क का निर्माण पूरी गुणवत्ता के साथ कराया जाय।

नगर पालिका अध्यक्ष नेहा वर्मा ने बताया कि क्षेत्रीय नागरिक लगातार सड़क निर्माण की मांग कर रहे थे, इसे देखते हुये नगर विकास मंत्री से आग्रह किया गया।

पं. दीनदयाल उपाध्याय नगर विकास योजना के तहत सड़क का निर्माण शुरू करा दिया गया है। यह सड़क पचपेडिया रोड से मिश्रौलिया को जोडेगी। एक दशक बाद इस जर्जर हो चुके सड़क का निर्माण कराया जा रहा है।

निरीक्षण के दौरान अधिशासी अधिकारी अंगद गुप्ता, अवर अभियन्ता अर्पित निगम, नीतेश राय, आलोक पाण्डेय, कृष्ण मोहन शर्मा, अमिताभ मिश्र, मो. अख्तर, वृजमोहन शर्मा, आनन्द राठौर, आशुतोष के साथ ही स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

आनन्द श्रीवास्तव के लापता होने पर भड़के कर्मचारी, सकुशल बरामदगी न हुई तो 16 को धरना

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

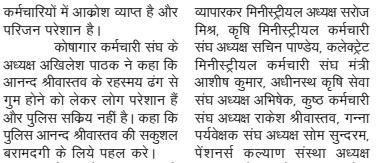

बस्ती । मंगलवार को राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद की आकस्मिक बैठक कलेक्ट्रेट परिसर स्थित संघ भवन में अध्यक्ष मस्तराम वर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में कोषागार कर्मचारी संघ के मंत्री आलोक श्रीवास्तव के भाई आनन्द श्रीवास्तव के 1 सितम्बर से लापता होने के मामले और पुलिस कार्रवाई पर चर्चा हुई। मांग किया गया कि आनन्द श्रीवास्तव की सकुशल बरामदगी सुनिश्चित कराया जाय। यदि 15 सितम्बर तक सकुशल बरामदगी न हुई तो 16 सितम्बर को कलेक्ट्रेट परिसर में जनपद के कर्मचारी धरना देंगे।

परिषद के कार्यवाहक अध्यक्ष राम अधार पाल और मंत्री तौलू प्रसाद ने बताया कि परिजनों ने 2 सितम्बर को आनन्द श्रीवास्तव के गुमशुदगी की रिपोर्ट थाना कोतवाली में दर्ज कराया। अभी तक आनन्द श्रीवास्तव के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल सकी है। इससे अनहोनी की आशंका बढ गयी है। नेताद्वय ने कहा कि पुलिस प्रशासन मामले को गंभीरता से नहीं ले रहा है। इससे कर्मचारियों में आक्रोश व्याप्त है और परिजन परेशान है।

कोषागार कर्मचारी संघ के अध्यक्ष अखिलेश पाठक ने कहा कि आनन्द श्रीवास्तव के रहस्मय ढंग से गुम होने को लेकर लोग परेशान हैं और पुलिस सक्रिय नहीं है। कहा कि पुलिस आनन्द श्रीवास्तव की सकुशल बरामदगी के लिये पहल करे।

बैठक में मुख्य रूप से कलेक्ट्रेट कर्मचारी संघ उपाध्यक्ष अशोक मिश्र, डिप्लोमा इंजीनियर महासंघ अध्यक्ष इ. अभिषेक सिंह, दीवानी न्यायालय कर्मचारी संघ अध्यक्ष अशोक सिंह, सफाई कर्मचारी संघ अध्यक्ष अजय आर्य, आई.टी. आई. कर्मचारी संघ अध्यक्ष हरिशंकर, सिंचाई संघ अध्यक्ष सुभाष मिश्र, व्यापारकर मिनीस्ट्रीयल अध्यक्ष सरोज मिश्र, कृषि मिनीस्ट्रीयल कर्मचारी संघ अध्यक्ष सचिन पाण्डेय, कलेक्ट्रेट मिनीस्ट्रीयल कर्मचारी संघ मंत्री आशीष कुमार, अधीनस्थ कृषि सेवा संघ अध्यक्ष अभिषेक, कुष्ठ कर्मचारी संघ अध्यक्ष राकेश श्रीवास्तव, गन्ना पर्यवेक्षक संघ अध्यक्ष सोम सुन्दरम, पेंशनर्स कल्याण संस्था अध्यक्ष जलालुद्दीन कुरेश, इ. राजेश श्रीवास्तव, विजय प्रताप पाल, मंशाराम, भरतकुमार, अशोक कुमार चौहान, मनीष यादव, प्रदीप चतुर्वेदी, पीताम्बर चौधरी, सूरज वर्मा, दिलीप कुमार, दीनानाथ सिंह, रामभरत, बलराम कन्नौजिया, उदयशंकर के साथ ही बड़ी संख्या में कर्मचारी और विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 9 सितम्बर 2026 बुधवार

सम्पादकीय

जर्जर मकान, मौतें और तंत्र

महानगरों से लेकर छोटे शहरों तक में किराए पर मकान देने का एक बहुत बड़ा उद्योग खड़ा हो गया है। जहां जगह मिले, वहां बहुमंजिला इमारतें बना दी जाती हैं। सरकारी दस्तावेजों में भले ही ऐसी इमारतें आवासीय श्रेणी में पंजीकृत होती हैं, लेकिन इनमें से कई में पेइंग गेस्ट (पीजी), होटल और रेस्तरां संचालित किए जाते हैं। जब ये इमारतें जर्जर हो जाती हैं, तो कई दफा भरभराकर गिर जाती हैं या इनमें आग लगने के हादसे होते हैं। ऐसी घटनाओं में एफआइआर दर्ज होती है, उसके बाद कुछ इमारतों पर सीलिंग या तोड़फोड़ की कार्रवाई होती है और बाद में सब कुछ फिर उसी ढर्रे पर लौट आता है। हादसों की कड़ियों में बीते रविवार को दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिण परिसर के पास स्थित सत्य निकेतन में पांच मंजिला इमारत के ढहने की घटना भी शामिल हो गई है, जिसमें विद्यार्थियों समेत सात लोगों की मौत हो गई। ऐसे में सवाल सिर्फ यह नहीं है कि ये सब कैसे हो रहा है, बल्कि यह भी है कि कौन है, जो ऐसा होने दे रहा है?

हाल के दिनों में देश भर में जर्जर इमारतों के गिरने या आग लगने के कई हादसे सामने आ चुके हैं। बीते जून में राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के मालवीय नगर में एक होटल में आग से बाईस लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद उत्तर प्रदेश में लखनऊ के अलीगंज स्थित एक व्यावसायिक इमारत में आग की घटना में विद्यार्थियों समेत पंद्रह लोगों की जान चली गई थी।

खबरों के मुताबिक, सत्य निकेतन में जिस इमारत के गिरने से हादसा हुआ, वह काफी पुरानी थी और जर्जर हालत में थी। इसके बावजूद उसे पीजी के तौर पर किराए पर दिया गया था। जब हादसा हुआ, उस वक्त वहां भूतल पर मरम्मत कार्य चल रहा था। यानी वहां रहने वाले विद्यार्थियों की जान को जानबूझकर जोखिम में डाला गया। पुलिस ने भले ही इमारत के मालिक को गिरफ्तार कर लिया है और सरकार ने संबंधित पांच अधिकारियों को निलंबित कर दिया है, लेकिन क्या इस कार्रवाई से यह सुनिश्चित हो पाएगा कि भविष्य में ऐसे हादसे की पुनरावृत्ति नहीं होगी?

सवाल सिर्फ किसी एक घटना का नहीं है, बल्कि देश भर में उन हजारों जर्जर इमारतों का है, जिनका नियमों को धता बताकर व्यावसायिक इस्तेमाल किया जा रहा है। बड़े शहरों में किसी इमारत का नक्शा पास होने से लेकर उसके बनने तक एक लंबी विभागीय प्रक्रिया होती है। कई स्तर पर जांच होती है, तब जाकर उसके इस्तेमाल की अनुमति दी जाती है। इसके बाद भी समय–समय पर उसकी जांच करने का प्रावधान है और अगर वह जर्जर हालत में पाई जाती है, तो उसे असुरक्षित घोषित किया जाता है। इसके बावजूद अगर नियमों की अनदेखी की जाती है, तो इसे सांठगांठ का तंत्र नहीं तो और क्या कहा जाएगा। दिल्ली सरकार अब पीजी सुरक्षा नीति लाने की तैयारी कर रही है। हालांकि राजधानी में इस तरह के प्रयास वर्ष 1993 से जारी हैं, लेकिन अभी तक ठोस नियम जमीनी स्तर पर लागू नहीं हो पाए हैं। पीजी में रहने वालों से मोटी रकम किराए में वसूली जाती है, लेकिन उनकी सुरक्षा पर कोई ध्यान नहीं दिया जाता है। सरकार को इस बात पर गंभीरता से विचार करना होगा कि सिर्फ नीति या कानून बना देने से समस्या हल नहीं हो सकती, जरूरत उन्हें कड़ाई से अमल में लाने की है।

रासुका का दुरूपयोग

बीते अप्रैल में नोएडा में श्रमिकों के प्रदर्शन के दौरान गिरफ्तार की गई दिल्ली विश्वविद्यालय की एक छात्रा के मामले में इलाहाबाद हाई कोर्ट का फैसला यह बताने के लिए काफी है कि पुलिस महकमा अपने दायित्वों को लेकर किस हद तक गैरजिम्मेदार है। बिना किसी ठोस आधार के छात्रा को गिरफ्तार किया गया, उसे बिना किसी स्पष्ट आधार के राष्ट्रीय सुरक्षा कानून यानी रासुका के तहत महीनों जेल में रखा गया। जबकि अदालत में पुलिस छात्रा के विरुद्ध कोई भी ठोस सबूत पेश नहीं कर पाई। जाहिर है, यह पुलिस की कार्यशैली, लापरवाही और मनमानी का एक और उदाहरण है।

इस मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर सुनवाई के दौरान खंडपीठ ने पाया कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 'मनगढ़ंत कहानी' के आधार पर छात्रा को पांच महीने से हिरासत में रखा गया है। छात्रा की गिरफ्तारी और रासुका के तहत नोटिस जारी करने के क्रम में कई प्रक्रियागत खामियां भी सामने आईं। अदालत ने नोएडा के जिलाधिकारी को उन्हें पांच लाख रुपए का मुआवजा देने को भी कहा।

अदालत का यह फैसला दरअसल पुलिस की कार्यशैली और जांच करने के उसके तौर–तरीके पर सवालिया निशान है। इसमें दोराय नहीं कि बिना किसी पुख्ता सबूत के किसी पर भी रासुका लगाने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय होनी चाहिए। रासुका देश की सुरक्षा से संबंधित एक संवेदनशील कानून है और इसे नागरिकों के भीतर डर पैदा करने का औजार नहीं बनाया जाना चाहिए। विचित्र बात है कि कानून–व्यवस्था कायम रखने की सामान्य स्थितियों में भी इसे बिना सोचे–समझे किसी निर्दोष पर लगा दिया जाता है। इस संबंध में अदालत ने जो टिप्पणियां की हैं, उससे यह सवाल खड़ा हुआ है कि इस तरह का कठोर कदम उठाने से पहले क्या पुलिस अपने विवेक का इस्तेमाल नहीं करती और क्या वह किसी परोक्ष निर्देश पर काम कर रही होती है?

भारत एक लोकतांत्रिक देश है और यहां किसी मुद्दे पर धरना–प्रदर्शन तथा आंदोलन कोई नई बात नहीं। मगर इस दौरान कार्यकर्ताओं, श्रमिकों और विद्यार्थियों के खिलाफ भी पुलिस का जैसा रवैया देखने में आ रहा है, वह प्रकारांतर से असहमति को दबाने का ही प्रयास है।

विविधता को स्वीकार कर मजबूत हुई भारतीय एकता

— डॉ. सत्यवान सौरभ—

स्वतंत्रता के समय भारत के सामने केवल राजनीतिक स्वतंत्रता को स्थायी बनाने की चुनौती नहीं थी, बल्कि एक ऐसे राष्ट्र का निर्माण भी करना था जिसमें भाषा, संस्कृति, परंपरा और क्षेत्रीय पहचान की असाधारण विविधता के बावजूद राष्ट्रीय एकता कायम रहे। ब्रिटिश शासन से विरासत में मिली प्रांतीय सीमाएँ प्रशासनिक सुविधा और औपनिवेशिक हितों के अनुरूप थीं। इनमें अनेक क्षेत्रों की भाषाई और सांस्कृतिक पहचान का पर्याप्त ध्यान नहीं रखा गया था। इसलिए स्वतंत्रता के बाद भाषाई आधार पर राज्यों के पुनर्गठन की मांग स्वाभाविक रूप से उठी।

हालाँकि शुरुआती दौर में राष्ट्रीय नेतृत्व भाषाई राज्यों को लेकर आशंकित था। विभाजन की त्रासदी अभी ताजा थी और यह भय था कि यदि राज्यों का गठन भाषा के आधार पर किया गया तो क्षेत्रीय पहचान राष्ट्रीय पहचान पर हावी हो सकती है। किंतु भारतीय लोकतंत्र की विशेषता यही रही कि उसने इन आकांक्षाओं को दबाने के बजाय संवैधानिक और लोकतांत्रिक तरीके से समायोजित करने का रास्ता चुना। समय ने सिद्ध किया कि भाषाई पहचान को सम्मान देना भारत की एकता के लिए खतरा नहीं, बल्कि उसकी मजबूती का आधार बन सकता है।

भाषाई पहचान की राजनीतिक स्वीकार्यता स्वतंत्रता से पहले ही दिखाई देने लगी थी। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने अपने प्रांतीय संगठनों का पुनर्गठन भाषाई आधार पर किया था। इसका उद्देश्य यह था कि जनता से संवाद उनकी भाषा और सामाजिक–सांस्कृतिक संदर्भों में बेहतर ढंग से हो सके। लेकिन स्वतंत्रता और विभाजन के बाद परिस्थितियाँ बदल गईं। राष्ट्रीय नेतृत्व तत्काल किसी बड़े क्षेत्रीय पुनर्गठन के पक्ष में नहीं था।

1948 में गठित धार आयोग ने तत्काल भाषाई आधार पर राज्यों के पुनर्गठन की अनुशंसा नहीं की। इसके बाद जवाहरलाल नेहरू, वल्लभभाई पटेल और पट्टाभि सीतारमैया की सदस्यता वाली जेवीपी समिति ने भी 1949 में राष्ट्रीय एकता, प्रशासनिक स्थिरता और नवगठित राष्ट्र की सुरक्षा को प्राथमिकता दी। उस समय यह सावधानी समझ में आती थी, क्योंकि देश राजनीतिक संक्रमण और सामाजिक अस्थिरता के दौर से गुजर रहा था।

लेकिन जन आकांक्षाओं को अनिश्चित काल तक टाला नहीं जा सकता था। आंध्र क्षेत्र में तेलुगु भाषी जनता के लिए अलग राज्य की मांग तेज होती गई। पोट्टि श्रीरामुलु के 1952 के आमरण अनशन और उनकी मृत्यु ने इस आंदोलन को निर्णायक मोड़ दिया। व्यापक जनदबाव के बाद 1953 में आंध्र राज्य का गठन हुआ। यह घटना केवल एक राज्य के निर्माण तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसने देश के अन्य हिस्सों में भी भाषाई आधार पर राज्यों की मांग को गति दी।

इसके बाद सरकार ने समस्या का व्यापक और संस्थागत समाधान खोजने का प्रयास किया। 1953 में गठित राज्य पुनर्गठन आयोग, जिसकी अध्यक्षता फजल अली ने की, ने भाषाई और सांस्कृतिक आकांक्षाओं के साथ–साथ प्रशासनिक, आर्थिक तथा भौगोलिक व्यवहार्यता पर भी विचार किया। आयोग की सिफारिशों के आधार पर 1956 में राज्य पुनर्गठन अधिनियम तथा संविधान का सातवाँ संशोधन लागू हुआ। इसके परिणामस्वरूप भारत के प्रशासनिक मानचित्र में व्यापक बदलाव आया और 14 राज्यों तथा छह केंद्रशासित प्रदेशों की व्यवस्था अस्तित्व में आई।

भाषाई राज्यों का सबसे बड़ा योगदान यह रहा कि उन्होंने क्षेत्रीय पहचान और राष्ट्रीय पहचान के बीच टकराव को कम किया। जब किसी समुदाय को अपनी भाषा, संस्कृति और स्थानीय आकांक्षाओं के अनुरूप प्रशासनिक पहचान मिली तो अलगाव की भावना कमजोर हुई। लोगों को यह विश्वास मिला कि भारतीय संघ उनकी विशिष्ट पहचान को समाप्त करने के बजाय उसका सम्मान करता है।

भाषाई पुनर्गठन का दूसरा महत्वपूर्ण लाभ प्रशासनिक स्तर पर दिखाई दिया। मातृभाषा या क्षेत्रीय भाषा में शासन–प्रशासन और सार्वजनिक सेवाओं की उपलब्धता ने राज्य और नागरिक के बीच दूरी कम की। लोकतंत्र तभी प्रभावी होता है जब नागरिक शासन की भाषा और प्रक्रिया को समझ सके। क्षेत्रीय भाषाओं में प्रशासन ने सामान्य नागरिकों की भागीदारी को अधिक सहज बनाया।

इस व्यवस्था ने लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व को भी व्यापक बनाया। स्थानीय भाषा बोलने वाले राजनीतिक नेतृत्व को राज्य स्तर पर उभरने का अवसर मिला। इससे राजनीति अधिक जनसरोकारों से जुड़ी और विभिन्न क्षेत्रों की समस्याएँ राष्ट्रीय विमर्श का हिस्सा बनीं। भाषाई राज्यों ने यह भी सिद्ध किया कि संघीय व्यवस्था में अलग–अलग क्षेत्रीय पहचानें राष्ट्रीय एकता के साथ सह–अस्तित्व रख सकती हैं।

भारत का पुनर्गठन 1956 पर समाप्त नहीं हुआ। बदलती राजनीतिक और सामाजिक परिस्थितियों के अनुसार राज्यों की सीमाओं में आगे भी परिवर्तन हुए। 1960 में महाराष्ट्र और गुजरात का गठन तथा 1966 में पंजाब के पुनर्गठन के साथ हरियाणा का निर्माण इसके महत्वपूर्ण उदाहरण हैं। इससे स्पष्ट हुआ कि भारतीय संघ कोई स्थिर और अपरिवर्तनीय प्रशासनिक ढाँचा नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक आकांक्षाओं के अनुरूप स्वयं को ढालने वाली व्यवस्था है।

हालाँकि भाषाई राज्यों की सफलता का अर्थ यह नहीं कि भाषाई अस्मिता से जुड़ी सभी चुनौतियाँ समाप्त हो गईं। भाषाई बहुसंख्यकवाद, अल्पसंख्यक भाषाओं की उपेक्षा और क्षेत्रीय श्रेष्ठताबोध जैसी प्रवृत्तियाँ संघीय सद्भाव के लिए चुनौती बन सकती हैं। इसलिए भाषाई पहचान के संरक्षण के साथ भाषाई अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा भी आवश्यक है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि क्षेत्रीय आकांक्षाओं को संवैधानिक और लोकतांत्रिक माध्यमों से सुना जाए। किसी भी क्षेत्र की पहचान को राष्ट्र–विरोधी मानना उतना ही अनुचित है जितना क्षेत्रीय पहचान को राष्ट्रीय पहचान से ऊपर रखना। सांस्कृतिक अस्मिता और राष्ट्रीय एकता के बीच संतुलन ही भारतीय संघवाद की वास्तविक शक्ति है।

भाषाई पुनर्गठन भारत के राष्ट्र–निर्माण की एक विशिष्ट उपलब्धि है। इसने यह महत्वपूर्ण सबक दिया कि विविधता को दबाकर एकता कायम नहीं की जा सकती। भारत ने अपनी भाषाई विविधता को संवैधानिक ढाँचे में स्थान देकर यह सिद्ध किया कि एकता समानता थोपने से नहीं, बल्कि विविधताओं को सम्मानपूर्वक समायोजित करने से मजबूत होती है। यही लचीला संघवाद आज भी भारत की लोकतांत्रिक स्थिरता और राष्ट्रीय एकता की महत्वपूर्ण आधारशिला है।

छात्रों की मौत का जिम्मेदार कौन?

—डॉ. रमेश कुमार ठाकुर—

हादसे की जिम्मेदारी शायद ही कोई ले? क्योंकि ऐसे हादसे दिल्ली में समय–समय पर होते रहे हैं। कुछ महीनों पहले ही एक अवैध होटल में आग लगने से विदेशी सहित कई लोग जलकर खाक हुए थे। बिल्डिंगों का गिरना तो दिल्ली में आम हो चुका है। दिल्ली में अवैध कॉलोनियों की भरमार है।

मानवीय हिमाकतों के चलते दिल्ली में और एक बड़ी दर्दनाक घटना घट गई। सत्य निकेतन के मोतीनगर स्थित एक सालों पुरानी जर्जर हालत की बिल्डिंग मौत बनकर रिमझिम बारिश में भरभराकर गिर पड़ी। घटना की सूचना पाकर पहुंचे बच्चों के परिजनों की चीखें कलेजा फाड़ रही हैं। परिजन बिलख रहे हैं,मांए बदहवास और बेसुध हैं। स्थानीय पुलिस और हुकुमती अधिकारियों का घटनास्थल पर जमघट लगा है। राहत–बचाव कार्य जारी है। घायल बच्चे एम्स के ट्रामा सेंटर भिजवाए जा रहे हैं। लेकिन वहां से कुछ बच्चों के ना रहने की सूचनाएं हर किसी को झकझोर रही हैं। बिल्डिंग में रहने वाले बच्चे तकरीबन बाहरी प्रदेशों के थे। वह अपना उज्जवल भविष्य बनाने की चाह लेकर शिक्षा ग्रहण करने पहुंचे थे। पर, उन्हें क्या पता हादसों का रूप ले चुकी दिल्ली उनकी जान लील लेगी। पढ़ने वाले बच्चों के साथ दिल्ली में आए दिन कोई न कोई हादसा होता ही रहता है। राजेंद्र नगर स्थिति कोचिंग सेंटर की बेसमेंट में पानी भरने से हुई बच्चों की मौत को शायद ही कोई भूल पाया हो। मुखर्जी नगर की कोचिंग सेंटर में आग लगने की घटना को याद करके भी रोंगटे खड़े होते हैं।

इस तरह की प्रत्येक घटनाओं पर जिम्मेदार अधिकारियों और नेताओं का हमेशा से एक ही बयान होता है। दोषी बख्शे नहीं जाएंगे, सख्त कार्रवाई होगी? इसके अलावा मृतकों के परिजनों को मुआवजा और घायलों की इलाज कराकर मामला रफा–दफा कर दिया जाता है और जब तक मीडिया में घटना की चर्चाएं होंगी, कार्रवाई के नाम पर सरकारी डंडा पीटा जाता रहेगा। शोर जैसे ही शांत होगा। जांच–पड़ताल ठंडे बस्ते में चली जाएंगी। जमीदोज हुई बिल्डिंग में ज्यादातर विश्वविधायल में पढ़ने वाले और सिविल सर्विसेज की तैयारी करने वाले मात्र 20–22 आयु के बच्चे रहते थे। मालिक ने बिल्डिंग को करीब 30 सालों से पीजी के लिए किसी अन्य को किराए पर दिया हुआ था। बिल्डिंग मानकों के एकदम विरुद्ध निर्मित हुई थी। क्षेत्रफल मात्र 55 गज का था जिसमें 30 कमरे बना रखे थे। बिल्डिंग 40 से 45 साल पुरानी बताई जाती है। जबकि, देखने में इससे भी कहीं पुरानी लगती थी। मालिक पर मुकदमा हुआ है। एकाध महीने बाद उसे जमानत मिल जाएगी। उसी जगह पर फिर से दूसरी बिल्डिंग तान दी जाएगी।

इसे भी पढ़ेरू दिल्ली में किस बात से बेबस श्ट्रिपल इंजनश सरकार?"जलं छपामजंद हादसे पर तैनस ळंदकीप का ठश्रू पर वार

दिल्ली विश्वविद्यालय क्षेत्र में बने पीजी को लेकर 'इंडियन जियोटेक्निकल कॉन्फ्रेंस' ने कुछ वर्ष पहले एक रिसर्च किया था जिसमें पाया था कि 85 फीसदी पीजी बच्चों के रहने के लायक नहीं हैं। इस तरह की रिसर्च रिपोर्ट को भी हुकूमतों ने दरकिनार किया। हादसे का शिकार हुई बिल्डिंग के निर्माण में घोर मानवीय हिमाकत का तांडव किया गया था। दिल्ली नगर निगम से लेकर, पुलिस, फायर ब्रिगेड और सरकार के अधिकारियों ने घूस खाया। घटनास्थल साउथ दिल्ली का सत्य निकेतन क्षेत्र है जिसे डूब या निचला–धरातल क्षेत्र भी कहते हैं। वहां बिल्डिंग बनाने की मात्र ढाई मंजिला इजाजत होती है। पर, अधिकारियों ने घूस खाकर पांच मंजिला तक बनवा दिया। दिल दहला देने वाले हादसे को लेकर सबसे बड़ा सवाल यही है कि बिल्डिंग में अवैध निर्माण होता रहा और जिम्मेदार लोग आंख मूंदकर तमाशबीन बने रहे। इतना ही नहीं, करीब 40 साल पुरानी इस बिल्डिंग में बारिश के दौरान हर साल बेसमेंट जलमग्न हो जाता था, जिससे इसकी नींव कमजोर होती गई और इस साल बजन नहीं सहन कर पाई जिससे भराभरकर ढह गई।

हादसे की जिम्मेदारी शायद ही कोई ले? क्योंकि ऐसे हादसे दिल्ली में समय–समय पर होते रहे हैं। कुछ महीनों पहले ही एक अवैध होटल में आग लगने से विदेशी सहित कई लोग जलकर खाक हुए थे। बिल्डिंगों का गिरना तो दिल्ली में आम हो चुका है। दिल्ली में अवैध कॉलोनियों की भरमार है। कहने को तो अवैध हैं लेकिन अधिकारी घूस लेकर उसे चंद मिनटों में वैध कर देते हैं। दिल्ली में इस समय करीब 1731 अवैध कॉलोनियां और 650 से लेकर 675 झुग्गी झोपड़ियां हैं जिनमें ज्यादातर किराएदार ही रहते हैं। दिल्ली ऐसा शहर है जहां देश के सभी प्रांतों के लोग रोजी रोटी कमाने आते हैं। शिक्षा का हब भी दिल्ली है। जहां सिविल सेवा की तैयारियां करने बच्चे दूर–दराज से पहुंचते हैं। 5 लाख बच्चे सालाना सिविल सर्विसेज परीक्षा की तैयारी करने दिल्ली के मुखर्जी नगर आते हैं, रहने के लिए उन्हें पीजी चाहिए होता है। ऐसे में बच्चे सस्ता पीजी खोजते हैं, लेकिन उन्हें क्या पता सस्ता घर उनकी जान ले लेगा? वहीं, करीब 15 लाख बच्चे अन्य प्रदेशों के दिल्ली के विभिन्न कॉलेजों में अध्ययनरत हैं। जहां हादसा हुआ, उस इलाके में तकरीबन घर पीजी में तब्दील हैं। पीजी के नाम पर बड़ा नेक्सस उस इलाके में चलता है जिसका मकान होता है वह खुद पीजी संचालित नहीं करता, बल्कि वह किसी अन्य को ठेके पर दे देता है। ठेकेदार बच्चों को कमरों में भूसे की तरह ठूस देते हैं। जहां ना कोई सुविधा, न मानकों का इस्तेमाल, सिर्फ उन्हें कमाने से मतलब होता है। हादसे वाली बिल्डिंग गिरने का संकेत कुछ वर्षों से दे रही थी? लेकिन ना मालिक ने गौर किया और ना ही अधिकारियों ने? पिछले साल तीसरे माले की सीढ़ियों की छत का उपरी हिस्सा गिरा था जिसे रिपेयर करवाकर संभावित हादसे पर पर्दा डाल दिया गया। बिल्डिंग में 50 के आसपास बच्चे रहते थे। सभी यूपी–बिहार राज्यों से वास्ता रखते हैं। हादसा रविवार को होता है जिस दिन ज्यादातर बच्चे अपने कमरों में थे क्योंकि उस दिन क्लासें और ट्यूशन की छुट्टी थी। शनिवार रात को बच्चे बेखौफ होकर सोए थे, उन्हें नहीं पता था कि अगले दिन उनके साथ क्या होने वाला है। कुछ बच्चों की जाने चली गई है? कई गंभीर रूप से घायल हैं। घटना निसंदेह दुखदायक है। हादसे की जिम्मेदारी अधिकारियों को लेना चाहिए और सीख लेकर भविष्य में इस तरह की बिल्डिंग को पहले ही जमींदोज करने का संकल्प भी लेना चाहिए।

सभ्य समाज का बड़ा कलंक

—चन्द्र प्रभा सूद—

सभ्य समाज के माथे पर लगने वाला यह बहुत बड़ा कलंक है कि यदि उसके आयुप्राप्त बुजुर्गों के लिए घर में स्थान न हो। वह घर–परिवार एक श्मशान की तरह है जहाँ उनके वृद्ध हुए माता–पिता की सुरक्षा अथवा देखभाल नहीं की जा सकती। उन्हें घर पर सम्मान देने के स्थान पर ओल्ड होम में भेजने की योजना बनाई जाए। वास्तव में यह एक दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति ही कही जा सकती है। माता–पिता अपना सारा जीवन बच्चों के लालन–पालन में व्यतीत कर देते हैं। उनकी खुशी में खुश होते हैं और उनके कष्ट में दुखी हो जाते हैं। साधन सम्पन्न लोगों की तो खैर बात ही अलग है। वे अपने बच्चों की सारी आवश्यकताएँ सुविधा से पूरी करते हैं। परन्तु जिनके पास उतनी सुविधाएँ नहीं हैं, वे माता–पिता भी अपने बच्चों के लिए कोई कमी नहीं छोड़ते।

आजकल लोग घर में कुत्ते–बिल्लियाँ पालते हैं और उनकी देखभाल के लिए नौकरों की फौज भी रखते हैं। उन पर वर्षभर में लाखों रुपए हँसी–खुशी खर्च देते हैं किन्तु माता–पिता को देने के लिए कुछ थोड़ी–सी राशि उनके पास नहीं बचती, यानी सारी कटौती उन्हीं के लिए की जाती है। इस हम उन बच्चों का दुर्भाग्य ही कहा सकते है।

धन्य हैं ऐसी नालायक सन्तान जिसे इतनी भी तमीज नहीं कि वे रत्तीभर भी अपने माता–पिता की परवाह कर लें। यह देख लें कि उन्होंने भोजन खाया है या नहीं, कहीं उनका स्वास्थ्य तो खराब नहीं है, उन्हें दवा की आवश्यकता तो नहीं, उनके पास पहनने के लिए वस्त्र तो हैं। ऐसे घरों में किए जाने वाले धार्मिक अनुष्ठान, दिए जाने वाले दान आदि सब व्यर्थ हो जाते हैं। वहाँ से सुख–शान्ति कब उड़न छू हो जाती है, पता ही नहीं चलता।

इन्हीं कपूतों को पाने के लिए माता–पिता ईश्वर से हाथ जोड़कर पुत्र की कामना करते हैं। जो उनके जीते जी सेवा नहीं कर सकता, उनका ध्यान नहीं रख सकता, वह उन्हें कौन से तथाकथित नरक से उभारेगा, जैसी कि मान्यता है।

इन्हीं कपूतों के लिए बेटियों को जन्म लेने से पहले ही माता के गर्भ में मार दिया जाता है। कुछ अपवादों को छोड़ दें तो अधिकाँश बेटियों को अपने माता–पिता की परवाह बेटों से अधिक होती है। वे आजन्म उनकी चिन्ता करती हैं और आवश्यकता पड़ने पर उनका सहारा भी बनती हैं। बहुत दुर्भाग्य की बात है कि अपने माता–पिता के लिए चिन्तित रहने वाली यही बेटियाँ जब बहु बनकर ससुराल जाती हैं तो वहाँ जाकर सास–ससुर को ही भार मानने लगती हैं। उनकी सुख–सुविधाओं का ध्यान रखने में कोताही बरतती हैं। वहाँ जाकर उन्हें सारी नैतिकता भूल जाती है। उन्ही माता–पिता समान सास–ससुर से उन्हें उनकी सारी धन–सम्पत्ति चाहिए होती है। उनके सारे कर्त्तव्य तो उन्हें बड़ी अच्छी तरह से याद रहते हैं परन्तु अपने दायित्वों से वे मुँह मोड़ लेती हैं। यानी उन्हें अपने कर्त्तव्य बिल्कुल भूल जाते हैं।

यही कारण है कि आवश्यकता से अधिक पढ़ी–लिखी आज की यह युवा पीढ़ी अपने सारे कर्त्तव्यों को ताक पर रखकर मात्र अपने ही स्वार्थ को साधने में लगी रहती है। जिसका परिणाम बहुत घातक सिद्ध हो रहा है। जिनकी पूजा करनी चाहिए थी, वे ईश्वर तुल्य माता–पिता उन्हें बहुत बड़ा बोझ लगने लगे हैं।

घर के बुजुर्गों को या तो कोने में किया जा रहा है या फिर परेशान होकर उन्हें किसी वृद्धाश्रम की शरण में जाना पड़ रहा है। यहाँ भी धन प्रधान है। यदि वह है तो मनचाही सुविधाएँ मिल जाएँगी अन्यथा पूछ नहीं होती। कितने दुर्भाग्य की बात है कि अकेले माता–पिता दस बच्चों को पाल सकते हैं परन्तु दस बच्चों के होते हुए वे दरबदर की ठोकरें खाने को विवश हैं।

कभी वृद्धाश्रम जाने का अवसर मिले तो वहाँ विद्यमान वृद्धों से यह अवश्य पूछना कि आपका बेटा क्या करता है? उनमें से अधिकाँश बजुर्गों का यही उत्तर होगा कि उनका बेटा बड़ा अफसर है या नामी डॉक्टर है या सुप्रसिद्ध वकील है या योग्य इंजीनियर है या मजिस्ट्रेट है अथवा किसी कालेज या यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर है। इन सभी पढ़े–लिखों को क्यों और किसलिए कोई उनके कर्त्तव्य का बोध कराए। इसके विपरीत शायद ही कोई वृद्ध वहाँ पर ऐसा मिलेगा जिसका बेटा अनपढ़ है या गरीब है। इसका कारण है कि अनपढ़ या गरीब व्यक्ति को समाज और ईश्वर का डर होता है। उसके मन में कभी यह बात कभी नहीं आएगी कि माता–पिता को कभी वृद्धाश्रम भेजा जा सकता है।

यदि पाश्चात्य जगत के अन्धानुकरण के कारण यही आधुनिक युग का सत्य बनता जा रहा है तो इस सच्चाई पर सौ बार धिक्कार है। ऐसी सन्तान के लिए तो अन्ततः माता–पिता यही कह बैठते हैं ऐसी सन्तान के न होने पर वे निस्सन्तान रह जाते तो अच्छा था। ईश्वर तथाकथित शिक्षित और सभ्य कहलाने वाली ऐसी नालायक पीढ़ी को सद्बुद्धि प्रदान करे।

सभी धर्मों और संस्कृतियों में माता–पिता की सेवा को सबसे बड़ा धर्म माना गया है। उनका अपमान करना या उन्हें दुखी करना नैतिक रूप से गलत है। मां–बाप हमारे जीवन का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा होते हैं। वे हमारा पालन–पोषण करने के लिए अपना सुख–चैन त्याग देते हैं। हमें हमेशा उनका सम्मान करना चाहिए और उनकी भावनाओं को समझना चाहिए। उन्होंने हमें उंगली पकड़कर चलना सिखाया और इस योग्य बनाया कि हम अपने पैरों पर खड़े हो सकें। उनके इस अहसान का बदला हम कभी नहीं चुका सकते।

घाघरा नदी का जलस्तर 48 सेंटीमीटर ऊपर, 25 गांवों में 20 हजार लोग प्रभावित

संवाददाता–गोण्डा। घाघरा नदी का जलस्तर लगातार तेजी से बढ़ रहा है। मंगलवार सुबह 10 बजे तक नदी खतरे के निशान से 48 सेंटीमीटर ऊपर बह रही थी। इसका असर तरबगंज तहसील और माझा क्षेत्र के निचले इलाकों में साफ दिखाई दे रहा है। करीब 25 गांवों की 20 हजार आबादी बाढ़ से प्रभावित है। कई गांवों में पानी घरों तक पहुंच गया है और चारों तरफ जलभराव हो गया है। केंद्रीय जल आयोग के मुताबिक देर शाम तक नदी का जलस्तर खतरे के निशान से करीब 50 सेंटीमीटर ऊपर पहुंच सकता है। बाढ़ का पानी घरों में पहुंचने के बाद ग्रामीण अब सुरक्षित जगहों की ओर जाने लगे हैं। लोग नाव, बैलगाड़ी और ट्रॉली के जरिए घर का सामान निकाल रहे हैं। कुछ परिवार रिश्तेदारों के यहां जा रहे हैं तो कुछ आसपास के सुरक्षित स्थानों पर ठिकाना बना रहे हैं। जिन घरों में पानी भर चुका है, वहां लोग तख्त और चारपाई पर रहने को मजबूर हैं। इन्हीं पर बैठकर खाना बनाने से लेकर रात गुजारने तक का इंतजाम किया जा रहा है।

तरबगंज तहसील के साकीपुर के अट्ठाईसा, शुक्ल पुरवा, गोकुला के टेपरा, तुलसीपुर, चौखड़िया, महंगूपुर, जैतपुर, माझाराठ और दुर्गागंज समेत कई गांवों में पानी भर गया है। माझा क्षेत्र के गढ़ी, परास, जबरनगर, ब्यौंदा और बहादुरपुर समेत कई गांव भी बाढ़ की चपेट में हैं। बाढ़ ने ग्रामीणों के सामने पशुओं के चारे का संकट भी खड़ा कर दिया है। किसानों का कई क्विंटल भूसा पानी में डूबकर खराब हो गया। खेत और रास्ते जलमग्न होने से हरा चारा भी नहीं मिल पा रहा है। ऐसे में पशुपालकों को महंगा भूसा खरीदना पड़ रहा है। दूसरी ओर गांवों के मुख्य रास्तों पर पानी भरने से बच्चों का स्कूल जाना बंद हो गया है। ग्रामीणों का कहना है कि पानी कम होने तक बच्चों की पढ़ाई प्रभावित रहेगी। घाघरा के बढ़ते जलस्तर के साथ कटान ने भी किसानों की चिंता बढ़ा दी है। ग्रामीणों के मुताबिक पिछले 24 घंटे में नदी 50 बीघा से ज्यादा जमीन की फसल काटकर अपने साथ ले जा चुकी है। इसके अलावा तरबगंज तहसील में 300 बीघा से ज्यादा और करनैलगंज तहसील में करीब 200 बीघा से अधिक फसल बाढ़ की चपेट में है। खेतों में पानी भरने से कई फसलें खराब होने की कगार पर पहुंच गई हैं। किसानों को डर है कि पानी ज्यादा दिन रहा तो बची हुई फसल भी बर्बाद हो जाएगी।

मंगलवार सुबह 10 बजे घाघरा नदी में कुल 3,82,328 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। इसमें गिरजा बैराज से 1,70,505, शारदा बैराज से 1,83,480, सरयू बैराज से 5,954 और सुहेली बैराज से औसतन 22,389 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। जलस्तर बढ़ने के कारण प्रशासन ने तटबंधों की 24 घंटे निगरानी शुरू कर दी है। डीएम प्रियंका निरंजन ने बताया कि नदी का जलस्तर काफी बढ़ा हुआ है और प्रशासन लगातार निगरानी कर रहा है। प्रभावित इलाकों में लंच पैकेट और बाढ़ राहत सामग्री बांटी जा रही है। लोगों की मदद के लिए नाव लगाई गई हैं और हनुमान रथ के जरिए भी राहत पहुंचाई जा रही है। प्रशासन का कहना है कि स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। गोंडा में घाघरा नदी का जलस्तर लगातार तेजी से बढ़ रहा है। मंगलवार सुबह 10 बजे तक नदी खतरे के निशान से 48 सेंटीमीटर ऊपर बह रही थी। इसका असर तरबगंज तहसील और माझा क्षेत्र के निचले इलाकों में साफ दिखाई दे रहा है। करीब 25 गांवों की 20 हजार आबादी बाढ़ से प्रभावित है। कई गांवों में पानी घरों तक पहुंच गया है और चारों तरफ जलभराव हो गया है। केंद्रीय जल आयोग के मुताबिक देर शाम तक नदी का जलस्तर खतरे के निशान से करीब 50 सेंटीमीटर ऊपर पहुंच सकता है। बाढ़ का पानी घरों में पहुंचने के बाद ग्रामीण अब सुरक्षित जगहों की ओर जाने लगे हैं। लोग नाव, बैलगाड़ी और ट्रॉली के जरिए घर का सामान निकाल रहे हैं। कुछ परिवार रिश्तेदारों के यहां जा रहे हैं तो कुछ आसपास के सुरक्षित स्थानों पर ठिकाना बना रहे हैं। जिन घरों में पानी भर चुका है, वहां लोग तख्त और चारपाई पर रहने को मजबूर हैं।

महंगाई–बेरोजगारी से त्रस्त जनता कांग्रेस की ओर देख रही – अभिषेक दत्त

संवाददाता–महराजगं। विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों को लेकर कांग्रेस ने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने की कवायद तेज कर दी है। मंगलवार को जिला उद्योग चौराहे के पास स्थित अतिथि भवन में जिला कार्यकारिणी, नेताओं व वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का संवाद सम्मेलन हुआ। जिलाध्यक्ष विजय सिंह एडवोकेट की अध्यक्षता में हुए सम्मेलन में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव व उत्तर प्रदेश के सह प्रभारी अभिषेक दत्त ने कार्यकर्ताओं को उत्साहित करते हुए कहा कि महंगाई व बेरोजगारी से त्रस्त जनता कांग्रेस की ओर देख रही है। कांग्रेस सचिव व उत्तर प्रदेश के सह प्रभारी अभिषेक दत्त ने कहा कि महंगाई ने गरीब परिवारों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अगले चार माह तक हर बूथ पर सक्रिय रहकर संगठन मजबूत करने का आह्वान किया। कहा कि मजबूत संगठन के दम पर 2027 में कांग्रेस को सत्ता में वापसी के लिए तैयार किया जाएगा। राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि अभिषेक दत्त ने कर्नाटक में गांव–गली तक संगठन को मजबूत करने के लिए कार्यकर्ताओं के साथ संघर्ष किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर पार्टी को मजबूत करने की अपील की। फरेंदा विधायक वीरेंद्र चौधरी ने महराजगंज में उच्च शिक्षा व स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी का मुद्दा उठाया। कहा कि सरकार बनने पर शिक्षा व स्वास्थ्य को प्राथमिकता दी जाएगी। इस दौरान झिनकू चौधरी, शरद कुमार सिंह उर्फ बबलू सिंह, अवनीश पाल, शरदेंदु पांडेय, विनोद कुमार सिंह, विनीत सिंह, सुरेश चंद साहनी, गोपाल शाही, अनवर खान, डॉ. रामनारायण चौरसिया समेत आदि कांग्रेस नेता व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गंडक का डिस्चार्ज घटा, रोहिन बैराज पर खतरे से ऊपर पानी

संवाददाता–महराजगं। नेपाल व आसपास के क्षेत्रों में बारिश का असर कम होने के साथ गंडक नदी के जलप्रवाह में कुछ कमी आई है। मंगलवार सुबह आठ बजे वाल्मीकिनगर बैराज से 1 लाख 4 हजार 400 क्यूसेक पानी का डिस्चार्ज दर्ज किया गया। सोमवार शाम चार बजे यह 1 लाख 19 हजार क्यूसेक था। हालांकि गंडक का जलस्तर अभी खतरे के निशान से ऊपर बना हुआ है। जिले में सभी तटबंध सुरक्षित बताए गए हैं। बाढ़ नियंत्रण कक्ष के अनुसार सोमवार शाम से मंगलवार सुबह तक जिले में 13 मिलीमीटर बारिश दर्ज हुई। जिले में अब तक कुल 764 मिलीमीटर बारिश हो चुकी है। वाल्मीकिनगर बैराज पर अपस्ट्रीम जलस्तर 110.41 मीटर रहा, जो खतरे के निशान 109.670 मीटर से 74 सेंटीमीटर ऊपर है। डाउनस्ट्रीम जलस्तर 106.92 मीटर दर्ज किया गया। रिगौली बांध पर राप्ती नदी का जलस्तर भी बढ़ा है। सोमवार शाम 77.03 मीटर के मुकाबले मंगलवार सुबह जलस्तर 77.29 मीटर पहुंच गया। हालांकि यह खतरे के निशान 80.30 मीटर से करीब तीन मीटर नीचे है। त्रिमुहानी घाट पर रोहिन का जलस्तर भी मामूली बढ़कर 79.55 मीटर हो गया। यह खतरे के निशान 82.44 मीटर से नीचे है। रतनपुर स्थित रोहिन बैराज पर स्थिति पर भी सिंचाई विभाग की नजर बनी हुई है। यहां अपस्ट्रीम जलस्तर 99.50 मीटर दर्ज हुआ, जबकि खतरे का निशान 99.35 मीटर है।

मां के सामने बच्चे को उठा ले गया तेंदुआ, मौत

संवाददाता–बहराइच। तेंदुआ मां के सामने 9 साल के बच्चे को उठा ले गया। शोर मचाने पर परिजन और ग्रामीणों ने लाठी–डंडा लेकर पीछा किया। तेंदुआ, बच्चे को छोड़कर भाग गया। बच्चे को गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया। बच्चा घर के बाहर लगे नल से पानी भर रहा था। इसी दौरान तेंदुए ने उस पर हमला किया। बच्चे की गर्दन पर तेंदुए के दांत के गहरे निशान हैं। ग्रामीणों ने घटना की सूचना पुलिस और वन विभाग को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। वहीं, डीएफओ अपूर्व दीक्षित ने बताया कि मृतक की मां को 10 हजार की सहायता दी गई है। मामला जिला मुख्यालय से 40 किमी दूर कतर्निया वन्यजीव प्रभाग के सुजौली इलाके का है। सुशीला अपने बच्चों के साथ सुजौली गांव में रहती है। पति राजू की 5 साल पहले मौत हो गई थी। सुशीला ने बताया कि बेटा राजवीर (9) सोमवार रात 10 बजे घर के पास नल पर पानी भरने गया था। इसी दौरान तेंदुए ने हमला कर दिया।

राजवीर की चीख सुनकर लोग मौके पर पहुंचे। शोर मचाकर तेंदुए को घेरने की कोशिश की तो वह राजवीर को छोड़कर जंगल में भाग गया। तेंदुए के हमले में राजवीर गंभीर रूप से घायल हो गया था। गांव के ही लोग घायल बच्चे को सीएचसी लेकर गए। वहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। राजवीर के अलावा सुशीला के 4 बच्चे और हैं। इनमें काजल (14), नंदनी (11), आर्यन (7) और निर्भया (5) है। राजवीर तीसरे नंबर था। वह क्लास 3 में पढ़ता था। गांव से जंगल की दूरी करीब 3 से 4 किलोमीटर है।

ग्रामीणों के मुताबिक, घटना की सूचना वन विभाग को देने के लिए भी लगातार फोन मिलाया गया, लेकिन रेंज कार्यालय से संपर्क नहीं हो पाया। ग्रामीणों का कहना है कि इलाके में पहले भी वन्यजीवों की आवाजाही होती रही है। बच्चे की मौत के बाद लोग रात में घर से बाहर निकलने से भी डर रहे हैं।

बरहज सीएचसी का डीएम ने किया औचक निरीक्षण, अधीक्षक समेत नौ अनुपस्थित

संवाददाता–देवरिया। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने मंगलवार सुबह सीएचसी बरहज का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण में अस्पताल की अव्यवस्था उजागर हो गई। अधीक्षक सहित नौ स्वास्थ्यकर्मी अनुपस्थित मिले। डीएम ने स्वास्थ्यकर्मियों का वेतन काटने का निर्देश देते हुए स्पष्टीकरण मांगा। सुबह करीब साढ़े आठ बजे जिलाधिकारी बरहज पहुंचे। पोस्टऑफिस के सामने कार खड़ी कर वहां से पैदल ही करीब चार सौ मीटर की दूरी तय कर अस्पताल पहुंचे। अचानक जिलाधिकारी को देखकर अस्पताल में अफरा–तफरी मच गई। सबसे पहले उपस्थिति पंजिका देखी तो कार्यवाहक अधीक्षक डॉ. केशव प्रसाद, संविदा चिकित्सक डॉ. सचिन चौधरी, एड्स काउंसलर श्वेता वर्मा, स्टाफ नर्स ओम प्रकाश प्रजापति, धनंजय सिंह लैब टेक्नीशियन, स्टाफ नर्स विंध्यवासिनी रावत, प्रीति मिश्रा और मनीष तिवारी अनुपस्थित मिले। डीएम ने सभी का एक दिन का वेतन बाधित करने का निर्देश दिया। इसके बाद डीएम ने लेबर रूम, औषधि वितरण कक्ष का निरीक्षण किया। ओपीडी ऑनलाइन होने पर पीठ भी थपथपाई।

निरीक्षण के दौरान ही इलाज कराने आए मरीज गणेश निषाद ने शिकायत किया कि विडाल व टायफाइड जांच के लिए किट न होने का बहाना कर बाहर जांच के लिए भेजा गया है। इस पर डीएम ने लैब टेक्नीशियन पंकज कुमार को कड़ी फटकार लगाई और चेतावनी दी कि किट लाना आप लोगों की नैतिक जिम्मेदारी है, बहाना बनाकर बाहर भेजा तो सस्पेंड कर दिए जाओगे। औषधि वितरण पर सन्तोष जताया। अस्पताल परिसर में गंदगी मिलने पर फटकार लगाई और तत्काल सफाई कराने का निर्देश दिया।

सैम श्रेणी से सामान्य हुए बच्चों, आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों का सम्मान, मेधावी छात्राओं को रीडिंग टेबल मिली, मानदेय बढ़ा, 5 लाख का बीमा भी

संवाददाता–श्रावस्ती। कलेक्ट्रेट सभागार में मंगलवार को आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में गंभीर तीव्र कुपोषण (सैम) श्रेणी से सामान्य श्रेणी में आए 15 बच्चों, उनके माता–पिता और संबंधित आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों व सहायिकाओं को सम्मानित किया गया। जिलाध्यक्ष डॉ. मिश्रीलाल वर्मा, जिलाधिकारी अन्नपूर्णा गर्ग और मुख्य विकास अधिकारी शाहिद अहमद ने उन्हें प्रशस्ति पत्र और फलों की टोकरी देकर सम्मानित किया।

कार्यक्रम के दौरान परिषदीय विद्यालयों की कक्षा छह, सात और आठ में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को पढ़ाई के लिए रीडिंग टेबल भी वितरित की गईं। इस दौरान अयोध्या में आयोजित मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण दिखाया गया। आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं ने मुख्यमंत्री का संबोधन सुना।

जिलाधिकारी अन्नपूर्णा गर्ग ने बताया कि मुख्यमंत्री ने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं के लिए कई घोषणाएं की हैं। आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का मानदेय 8 हजार से बढ़ाकर 12 हजार रुपए और सहायिकाओं का मानदेय 4 हजार से बढ़ाकर 6 हजार रुपए कर दिया गया है।

उन्होंने बताया कि इसके साथ ही आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं को 5 लाख रुपए का स्वास्थ्य बीमा कवर भी मिलेगा। अतिरिक्त साड़ी के लिए निर्धारित राशि भी सीधे उनके बैंक खातों में भेजी गई है।

जिलाधिकारी ने कहा कि सरकार के इस फैसले से जिले में काम कर रहीं बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं को सीधा लाभ मिलेगा। मानदेय बढ़ने से उन्हें आर्थिक राहत मिलने के साथ काम के प्रति उनका उत्साह भी बढ़ेगा।

उत्कृष्ट कार्य करने पर प्रधानाध्यपक व शिक्षको को ग्रामीणों ने किया सम्मानित

–भारतीय बस्ती संवाददाता पौली (संतकबीरनगर)। पौली विकास क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय कोहलवा के प्रधानाध्यापक व शिक्षकों को उत्कृष्ट कार्य का जनपद मुख्यालय पर सम्मानित होने के उपलक्ष पर मंगलवार को ग्राम प्रधान व अभिभावकों ने शिक्षकों को सम्मानित कर उत्साहवर्धन किये।

प्रभारी प्रधानाध्यापक अभय दुबे द्वारा सामुदायिक सहभागिता से विद्यालय को मूलभूत सुविधाओं से लैस करने व शिक्षा क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर शिक्षक दिवस के अवसर पर कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी व मुख्य विकास अधिकारी ने प्रमाण पत्र दे कर सम्मानित किये थे। इसी के उपलक्ष्य में ग्रामप्रधान चंद्रशेखर यादव, एसएमसी अध्यक्ष नर्वदेश्वर व दर्जनों अभिभावकों ने शिक्षकों को फूलमाला पहनाकर सम्मानित कर उत्साह वर्धन किये।

ग्राम प्रधान चंद्रशेखर यादव ने कहा कि एक वर्ष में जो परिवर्तन इस स्कूल में हुआ है वह संभव नही था। यहा के प्रधानाध्यापक व शिक्षक के परिश्रम का प्रतिफल है।

नर्वदेश्वर शर्मा ने बताया कि यहा के शिक्षक गुणवत्ता युक्त शिक्षा दे रहे है। हमारे तीन बच्चे यही पर पढ़ते है। हाल ही में कांवेंट स्कूल से एक बच्चे को निकाल कर यहा नामांकन कराया हूं। यह विद्यालय अब किसी कांवेंट से कम नही है। इस गांव के अलावा दूसरे गांव से बच्चे यहां शिक्षा लेने आ रहे है।

प्रभारी प्रधानाध्यापक अभय दुबे ने बताया कि चार्ज लिये एक वर्ष हुआ। यहां के अभिभवकों व ग्रामीणों के मदत से बेंच, स्मार्ट टीबी, आरो और वाटर कूलर सहित अन्य जरूरी संसाधन मिले है। इस गांव के आरके पाल जी बच्चों के लिये भगवान स्वरूप है। उनका सहयोग विद्यालय पर सदैव रहता है। उनके कृपा से 60 सेट डेस्क व बेंच स्कूल को प्राप्त हुआ है। यहा के अभिभावको के पास घरेलू सामान जो राहत है वह सब उप्लब्ध कराते रहते है। राज्य पुरस्कार शिक्षक विनोद पांडेय के बताए रास्ते पर चला और सफलता मिल रहा है। जो उपलब्धि प्राप्त हुआ उसमे अभिभावक, शिक्षक, एजुकेटर व आंगनबाड़ी का बहुत सहयोग रहा।

मौके पर अमित सिंह, इफ्तेखार, शिवबचन पाल, प्रदीप, शिवदास, मुन्नीलाल, आशाराम यादव, दीपक, जीतेंद्र यादव, प्रीती यादव, उर्मिला, माया देवी, हेमलता, रीमा सहित तमाम अभिभावक मौजूद रहे।

दारोगा बोला– गर्मी न दिखाओ, बहस मत करो, जेन–जी स्टूडेंट्स को हड़काया, पूर्व विधायक का वकील बेटा फूट–फूटकर रोया

संवाददाता–गोण्ड। गांधी पार्क में धरने पर बैठे जेन–जी स्टूडेंट्स की मंगलवार को पुलिस से तीखी बहस हो गई। बढ़ते हंगामे को देखकर पुलिस ने बैरिकेडिंग लगा दी, जिससे स्टूडेंट्स भड़क गए। धरने को समर्थन देने पहुंचे राष्ट्रीय छात्र पंचायत के कार्यकर्ताओं के साथ छात्र बैरिकेडिंग पार करने लगे, तो दरोगा ने एक छात्र को पकड़ लिया। आरसीपी अध्यक्ष शिवम पांडेय से दरोगा ने कहा कि ज्यादा गर्मी न दिखाओ, मुझसे बहस मत करो। क्या सभी की जिम्मेदारी लेकर आए हो? इस पर शिवम ने सवाल किया कि आपको हमारे कार्यक्रम को रोकने का हक किसने दिया है? हम छात्रों की मांगों को लेकर प्रदर्शन करने जा रहे हैं, तो क्यों रोका जा रहा है? इसके बाद सभी छात्र गांधी पार्क के अंदर पहुंचे। पुलिस के खिलाफ नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में शामिल होने पहुंचा धौरहरा के पूर्व विधायक का वकील बेटा फूट–फूटकर रोया। कहने लगा कि पुलिस ने बहुत परेशान कर दिया। दोपहर करीब 2 बजे एडीएम ने गांधी पार्क छात्रों से ज्ञापन लिया। तब जाकर जाकर मामला शांत हुआ।

सोमवार दोपहर करीब 12 बजे से शहर गांधी मैदान में जेन–जी स्टूडेंट राष्ट्रीय छात्र पंचायत के नेतृत्व में अपनी मांगों लेकर धरने पर बैठे थे। इनमें गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखनऊ और लखीमपुर खीरी समेत कई जिलों के स्टूडेंट शामिल थे। छात्रों की मांग थी कि हर साल प्राइवेट स्कूलों में जो कॉपी किताब और ड्रेस बदल दी जाती है, उस पर तत्काल रोक लगाकर सरकार नया फीस रेगुलेशन कानून लाए। मां पाटेश्वरी यूनिवर्सिटी में एग्जाम फीस 2400 की बजाए 800 रुपए ली जाए। गोंडा के टॉमसन इंटर कॉलेज का हॉस्टल जर्जर है, कभी भी गिर सकता है। उसे दुरुस्त किया जाए।

सोमवार शाम को पुलिस ने कई छात्रों को पार्क से भगा दिया था। 3 छात्रों को हिरासत में ले लिया, जिससे छात्र भड़क गए। इसके बाद मंगलवार सुबह करीब 11:30 बजे बड़ी संख्या में छात्र हाथ में तिरंगा लेकर गांधी पार्क आने लगे। छात्रों की बढ़ती संख्या देख पुलिस ने स्ठै चौराहे से लेकर सागरा तालाब तक जगह–जगह बैरिकेडिंग कर दी।

इसके बाद बारिश में भीगते हुए भी कई छात्र अलग–अलग रास्तों से पार्क पहुंच गए। इस दौरान पार्क के गेट से 100 मीटर पहले राष्ट्रीय छात्र पंचायत के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवम पांडेय से नगर कोतवाली की सद्भावना चौकी प्रभारी सब–इंस्पेक्टर विभव तिवारी से बहस हो गई।

इस दौरान सब इंस्पेक्टर ने शिवम से कहा कि चिल्ला क्यों रहे हो, गर्मी क्यों दिखा रहे हो? चिल्लाओ मत, हमसे बहस मत करो। इस पर शिवम पांडे ने कहा कि आप छात्रों को आने क्यों नहीं दे रहे? दबाव बनाकर वापस क्यों कर रहे हो? तभी वहां एक साथ कई छात्र पहुंच गए, तो दरोगा शांत हो गए। इसके बाद 500 से ज्यादा छात्र पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करते हुए पार्क पहुंच गए।

पार्क में शिवम ने छात्रों से कहाकि मेरे ऊपर भले ही 500 मुकदमे लिख दो। अगर मैं गलती से सदन पहुंच गया, तो आपको सदन में प्रणाम जरूर करवाऊंगा। हमारे साथ हाईकोर्ट के वकील भी हैं। मैं भी दुर्भाग्य से कम पढ़–लिखकर हाईकोर्ट पहुंच गया हूं। यहां जो पुलिस की वर्दी में गुंडई कर रहे हैं, उनके लिए एक–एक रुपए सभी लोग चंदा तैयार कर लो। उनको 1000 रुपए देने हैं। क्योंकि, लखनऊ हाईकोर्ट आने में उनकी गाड़ी का तेल जरूर लगेगा। तब ये पैसे काम आएंगे। छात्रों ने कहा कि कल उनके साथ बर्बरता की गई। हमने कार्यक्रम के लिए परमिशन मांगी थी, लेकिन परमिशन नहीं दी गई। हमारे कार्यक्रम को रोकने के लिए टेंट हटवा दिया, लेकिन हम लोग डटे रहे। इस दौरान प्रदर्शन में शामिल होने लखनऊ से आए हाईकोर्ट के वकील और धौरहरा के पूर्व बसपा विधायक शमशेर बहादुर सिंह के बेटे अमन बहादुर पुलिस के रोके जाने से परेशान होकर पार्क में रोने लगे। साथी छात्रों ने बताया कि पुलिस ने इन्हें 2 घंटे तक रोके रखा। अंदर आने नहीं दे रहे थे। दोपहर करीब 2 बजे सिटी मजिस्ट्रेट पंकज वर्मा प्रदर्शन कर रहे जेन–जी छात्रों से ज्ञापन लेने पहुंचे। उन्होंने छात्रों की मांग बड़े अफसरों तक पहुंचाने का आश्वासन दिया। साथ ही जिले स्तर की मांगों को जल्द ही हल करवाने का वादा किया। इसके बाद छात्रों का हंगामा शांत हुआ।

भारत–नेपाल सीमा पर तस्कर गिरफ्तार, 15 लाख की स्मैक बरामद

संवाददाता–बहराइच। मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के अभियान में रुपईडीहा पुलिस और एसएसबी की संयुक्त टीम ने भारत–नेपाल सीमा के पास एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, उसके पास से 51 ग्राम अवैध स्मैक बरामद हुई है, जिसकी कीमत करीब 15 लाख रुपए बताई गई है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर उसे कोर्ट भेज दिया गया है। प्रभारी निरीक्षक रुपईडीहा हरेन्द्र कुमार मिश्र के नेतृत्व में पुलिस और एसएसबी की टीम मंगलवार को भारत–नेपाल सीमा क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान पिलर संख्या 651/2 के पास एक युवक संदिग्ध हालत में दिखाई दिया। टीम ने उसे रोककर पूछताछ की और तलाशी ली। तलाशी में उसके पास से 51 ग्राम स्मैक मिली।

पुलिस के मुताबिक, पकड़े गए युवक की पहचान 24 वर्षीय चांद बाबू पुत्र इकबाल निवासी चितवन मोहल्ला, थाना रुपईडीहा के रूप में हुई है। बरामदगी के आधार पर रुपईडीहा थाने में मुकदमा संख्या 238/2026, धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक प्रक्रिया के तहत भेज दिया गया।

पुलिस के अनुसार, चांद बाबू के पास से स्मैक के अलावा टीवीएस अपाचे बाइक वीवो मोबाइल फोन और 250 रुपए नकद भी बरामद हुए हैं। पुलिस आरोपी से मादक पदार्थ की सप्लाई से जुड़े लोगों और इसके नेटवर्क के बारे में जानकारी जुटा रही है। पुलिस ने बताया कि चांद बाबू के खिलाफ पहले से भी कई मामले दर्ज हैं। इनमें एनडीपीएस एक्ट के दो केस के अलावा चोरी, चोरी का माल रखने और धोखाधड़ी समेत अन्य धाराओं के मुकदमे रुपईडीहा और दरगाह शरीफ थानों में दर्ज बताए गए हैं। कार्रवाई करने वाली टीम में रुपईडीहा पुलिस के साथ एसएसबी के जवान और डॉग स्क्वायड भी शामिल रहा।

कार्यकर्ताओं के दम पर बसपा बनाएगी पूर्ण बहुमत की सरकार –गौतम

संवाददाता–महराजगं। आगामी विधानसभा चुनाव में कार्यकर्ताओं के दम पर बहुजन समाज पार्टी पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएगी। प्रदेश में बने राजनीतिक माहौल से आमजन बसपा के शासनकाल को याद कर रहा है। ये बातें बसपा के मुख्य मंडल प्रभारी कमलेश कुमार गौतम ने परतावल नगर स्थित एक मैरेज हॉल में आयोजित कार्यकर्ताओं की बैठक में कही। उन्होंने कहा कि बहुजन समाज पार्टी केवल राजनीतिक दल नहीं, बल्कि एक विचारधारा है और विचारधारा कभी खत्म नहीं होती। विशिष्ट अतिथि मंडल प्रभारी घनश्याम दास ने कहा कि प्रदेश में बसपा के चार बार के शासनकाल में बिना भेदभाव सर्वसमाज का विकास हुआ और कानून का शासन स्थापित किया गया। अध्यक्षता करते हुए जिलाध्यक्ष नारद राव ने कहा कि आगामी चुनाव में बसपा की सरकार बनाने के लिए कार्यकर्ताओं को अभी से बूथ स्तर पर जुटना होगा। साथ ही सभी सेक्टर कमेटियों की समीक्षा कर संगठन को मजबूत किया जाएगा। बैठक में मंडल प्रभारी रमेश चंद गौतम, बीरेंद्र कुमार, जिला उपाध्यक्ष लालजी पांडेय, पिछड़ा वर्ग भाईचारा के जिला संयोजक अशोक प्रताप निषाद और विधानसभा प्रभारी प्रेमसागर भारती ने भी विचार रखे।

आवश्यक सूचना

सर्व साधरण को सूचित किया जाता है कि मेरा क्लाइंट आधार हाऊसिंग फाइनेंस लिमिटेड शाखा बस्ती, ब्रान्च आफिस प्रथम तल मकान सं०– 1323, मोहल्ला – पिकौरा शिवगुलाम कटेश्वर पार्क के पास गांधीनगर, बस्ती 272001 उ०प्र० की तरफ से सूचित किया जाता है कि श्री राकेश कुमार पुत्र पवन कुमार, गांव – फेटवा, पोस्ट – गौसपुर, गौसपुर कलवारी बस्ती 272301 ने एक बैनामा 1320 वर्गफीट स्थित गाटा सं०– 276 मौजा महरीखांवा तप्पा हवेली तहसील – बस्ती, परगना – बस्ती पूरब, जनपद बस्ती जिसकी चौहदी – पूरब में प्लाट जितेन्द्र कुमार, पश्चिम में – जमीन मुकिर, उत्तर में सड़क 15 फिट चौड़ा दक्षिण में मकान राजेश सिंह, इसको बंधक रखने बैंक अथवा संस्था को प्रश्नगत सम्पत्ति में आपत्ति हो तो इस प्रकाशन के 7 दिन के अन्दर आपत्ति अधोहस्तातरी के समक्ष प्रस्तुत कर दे अन्यथा यह मान लिया जायेगा कि किसी भी के उपरोक्त संस्था को बंधक रखने में कोई आपत्ति नहीं है।

(प्रग्यांशु शुक्ला एडवोकेट)

L.G.F.–011, निचली भूतल, A1 बिल्डिंग
ब्लाक – A, सेक्टर–59 नोएडा उ०प्र०
पिन कोड–201301
मो०–8920298602

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को 12 हजार और सहायिकाओं को छह हजार मिलेगा मानदेय

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या पहुंचे सीएम योगी ने उत्तर प्रदेश की दो लाख 51 हजार से अधिक आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों और सहायिकाओं के लिए खजाना खोल दिया। सीएम योगी ने तीन तोहफ हैं। आंगनबाड़ियों का मानदेय 8 हजार से बढ़कर 12000 रुपए कर दिया है। इसके साथ ही सहायिकाओं का मानदेय अब 6000 कर दिया। मुख्यमंत्री ने घोषणा की है कि आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों और सहायिकाओं को हर साल 5 लाख का कैशलेस स्वास्थ्य बीमा लाभ दिया जाएगा। इस साथ ही एक एडिशनल साड़ी के लिए 500 की धनराशि जारी की है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को अयोध्या के जीआईसी मैदान में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश की आंगनबाड़ी

कार्यकर्त्रियों और सहायिकाओं को बड़ी सौगात दी। मुख्यमंत्री ने आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों का मानदेय 8 हजार रुपये से बढ़ाकर 12 हजार रुपये प्रतिमाह करने की घोषणा की। वहीं आंगनबाड़ी सहायिकाओं का मानदेय भी बढ़ाकर 6 हजार रुपये प्रतिमाह किए जाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों और सहायिकाओं के योगदान को लगातार सम्मान देने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि जब प्रदेश में उनकी सरकार आई थी, उस समय आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों को मात्र 3 हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय मिलता था। सरकार ने इसे बढ़ाकर 8 हजार रुपये किया। इसी तरह सहायिकाओं का मानदेय 1500 रुपये से बढ़ाकर 4 हजार रुपये किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और आशा वर्करों ने अपनी जान की परवाह किए बिना गांव–गांव जाकर लोगों की सेवा की और कोरोना के खिलाफ लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। योगी ने प्रदेश की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के लिए हर वर्ष पांच लाख रुपये तक के कैशलेस स्वास्थ्य बीमा की भी घोषणा की। इस योजना का लाभ आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं और उनके परिवार को मिलेगा। इससे गंभीर बीमारी या इलाज की जरूरत पड़ने पर उन्हें बड़ी आर्थिक राहत मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश की दो लाख 51 हजार से अधिक आंगनबाड़ी सहायिकाओं के लिए अतिरिक्त साड़ी की व्यवस्था भी की। इसके लिए 500 रुपये की धनराशि सीधे उनके बैंक खातों में भेजी गई। कार्यक्रम के दौरान करीब 29 करोड़ रुपये की धनराशि खातों में हस्तांतरित की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले साड़ी की व्यवस्था थी, अब उसमें एक अतिरिक्त साड़ी जोड़ी गई है।

अवैध संबंध में बाधा बन रहा था पति, पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर उतारा मौत के घाट, 4 आरोपित गिरफ्तार

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर अवैध संबंधों में बाधक बन रहे ई–रिक्शा चालक पति की हत्या कराई थी। हत्या करने के लिए दो आरोपित को 1.10 लाख रुपये की सुपारी भी दिया गया था। ढेबरुआ थाना पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम ने हत्या के आरोप में पत्नी समेत कुल चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों का नाम इटवा थाना के कपियवा गांव निवासी माया देवी, इरशाद, नियाज अहमद व रमवापुर उर्फ बिशुनपुर निवासी अब्दुल्ला है। पुलिस अधीक्षक डा. अभिषेक महाजन ने मंगलवार को पुलिस लाइन सभागार में इस हत्या का पर्दाफाश किया। इस दौरान सीओ शोहरतगढ़ मयंक द्विवेदी भी मौजूद रहे। पुलिस अधीक्षक डा. अभिषेक महाजन ने बताया कि ढेबरुआ थाना के मुंहचोरवा पुल पर 30 अगस्त की देर रात एक ई–रिक्शा खड़ा मिला था। ई–रिक्शा में खून के ढेर सारे छींटे भी मिले और चालक इटवा थाना के कपियवा गांव निवासी हरिश्चंद्र लापता था। मामला संदिग्ध पाते हुए ढेबरुआ थाना पुलिस ने इसकी जांच शुरू की। बूढ़ी राप्ती में शव की खोज कराया गया। लेकिन दूसरे दिन घटनास्थल से करीब पांच किमी दूर सोनबरसा गांव के पास नदी की धारा में बहता हुआ शव मिला था। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया तो तो रिपोर्ट में मृत्यु का कारण चाकू से हत्या करना बताया गया। पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की तो पूरा घटनाक्रम परत दर परत खुलने लगा।

पुलिस ने मंगलवार को ढेबरुआ थाना के दुधवनिया गांव के पास से तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया। पूछताछ में उन्होंने बताया कि ई–रिक्शा चालक की पत्नी माया देवी का अवैध संबंध आरोपित नियाज अहमद के साथ था। नियाज अहमद ही माया देवी का खर्च भी चलाता था। वहीं ई–रिक्शा चालक शराब के नशे में पत्नी के अक्सर मारपीट करता रहा। इससे परेशान होकर पत्नी अपने प्रेमी पर कई माह से पति को रास्ते से हटाने का दबाव बना रही थी। इसके बाद नियाज अहमद ने हत्या करने की योजना बनाई। जिसमें इरशाद और अब्दुल्ला को भी सम्मिलित किया। इन दोनों को 1.10 लाख रुपये देने थे। एडवांस के रूप में 60 हजार रुपये भी दिया हैं। योजना के अनुसार इरशाद और अब्दुल्ला ने हरिश्चंद्र को ई–रिक्शा से बढ़नी पहुंचाने के लिए कहा। जब मुंहचोरवा पुल के पास पहुंचे तो चाकू से हत्या करने के बाद शव को नदी में फेंक दिया था। आरोपितों ने हत्या करने की पूरी रूपरेखा पहले से तैयार कर ली थी। ई–रिक्शा पर जाते समय रास्ते के बाद दोनों आरोपितों को सुरक्षित वहां से हटाने की जिम्मेदारी नियाज अहमद की थी।

रात करीब 12 बजे जब हत्या करने के बाद शव को नदी में फेंक दिया तो तीसरे आरोपित नियाज अहमद उन्हें लेकर बढ़नी रेलवे स्टेशन चला गया। योजना के अनुसार इरशाद और अब्दुल्ला ने रेलवे का टिकट भी निकाल लिया था। घटना को अंजाम देने के बाद दोनों कुछ दिन के लिए वहां से हट भी गए थे।

कार्रवाई करने वाली टीम में एसओ ढेबरुआ चंद्रकांत पांडेय, एसओजी प्रभारी मिथलेश कुमार राय, सर्विलांस सेल प्रभारी हरेंद्र चौहान, एसआइ शशिकांत, प्रभारी बढ़नी पुलिस चौकी वीरेंद्र यादव, एसआइ वीरेंद्र कुमार पासवान, राजाराम यादव, मुख्य आरक्षी राजीव शुक्ला, मनोज राय, मनींद्र प्रताप चंद्र, आशुतोष धर द्विवेदी, अवनीश प्रताप सिंह, आरक्षी वीरेंद्र त्रिपाठी समेत अन्य सम्मिलित रहे।

सर्पदंश से मौतों पर कांग्रेस का धरना, ग्रामीण अस्पतालों में एंटी–स्नेक वेनम, 24 घंटे इलाज की व्यवस्था की मांग

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। सर्पदंश से होने वाली मौतों को रोकने की मांग को लेकर कांग्रेस ने मंगलवार को जिलाधिकारी कार्यालय पर धरना–प्रदर्शन किया। कांग्रेस नेताओं ने ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी अस्पतालों में एंटी–स्नेक वेनम की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने की मांग की। प्रदर्शन के बाद नेताओं ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। कांग्रेस के ज्ञापन में सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और ग्रामीण अस्पतालों में एंटी–स्नेक वेनम का पर्याप्त स्टॉक रखने की मांग की गई। साथ ही सर्पदंश के मरीजों के लिए 24 घंटे इलाज की व्यवस्था करने को कहा गया। ज्ञापन में अस्पतालों में ऑक्सीजन, जीवनरक्षक दवाएं और जरूरी चिकित्सा उपकरण उपलब्ध कराने की मांग भी की गई। गंभीर मरीजों को जरूरत पड़ने पर बड़े अस्पतालों तक पहुंचाने के लिए एंबुलेंस व्यवस्था मजबूत करने की बात कही गई।

धरने को संबोधित करते हुए कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव और पूर्वांचल प्रभारी अभिषेक दत्त ने कहा कि सर्पदंश से होने वाली मौतें सिर्फ स्वास्थ्य से जुड़ा मुद्दा नहीं हैं, बल्कि ग्रामीण और गरीब परिवारों के जीवन से जुड़ा गंभीर मामला हैं। उन्होंने कहा कि अगर सर्पदंश के बाद मरीज को समय पर एंटी–स्नेक वेनम और जरूरी इलाज मिल जाए तो कई लोगों की जान बचाई जा सकती है। युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष विशाल सिंह ने ग्रामीण क्षेत्रों में सर्पदंश के बाद मरीजों को समय पर इलाज नहीं मिलने पर चिंता जताई। उन्होंने गांवों में जागरूकता अभियान चलाने और एंबुलेंस व्यवस्था को मजबूत करने की मांग की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जनता के स्वास्थ्य और जीवन से जुड़े मुद्दों को लेकर लगातार आवाज उठाती रहेगी।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष काजी सुहेल अहमद ने कहा कि सिद्धार्थनगर का बड़ा हिस्सा ग्रामीण और बाढ़ प्रभावित क्षेत्र है। बरसात के दौरान सर्पदंश की घटनाएं बढ़ जाती हैं। उन्होंने कहा कि किसी गरीब परिवार के सदस्य की मौत सिर्फ इसलिए नहीं होनी चाहिए कि नजदीकी सरकारी अस्पताल में एंटी–स्नेक वेनम उपलब्ध नहीं था। उन्होंने सभी सीएचसी, पीएचसी और ग्रामीण अस्पतालों में पर्याप्त स्टॉक रखने के साथ डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों को सर्पदंश के मरीजों के इलाज का प्रशिक्षण देने की मांग की। कांग्रेस ने मांग की कि सरकारी अस्पतालों में 24 घंटे इलाज की व्यवस्था के साथ ऑक्सीजन, जीवनरक्षक दवाएं और जरूरी उपकरण उपलब्ध रहें। गंभीर मरीजों को बड़े अस्पतालों तक पहुंचाने के लिए एंबुलेंस की उपलब्धता सुनिश्चित करने की भी मांग की गई।

धरना–प्रदर्शन में पूर्व विधायक चौधरी रविंद्र प्रताप, बख्तियार उस्मानी, अभिनय राय, जावेद मोकीम, विश्वनाथ चौधरी, पंकज चतुर्वेदी, डॉ. नादिर सलाम, कृष्ण बहादुर सिंह, अनिल सिंह अन्नू, सादिक अहमद, असलम खुर्शीद, सतीश चंद्र त्रिपाठी, बदरे आलम, शाहिद प्रधान, रितेश त्रिपाठी, जिल्ले गालिब, डॉ. प्रमोद कुमार, होरी लाल श्रीवास्तव, राजन श्रीवास्तव, राजेंद्र मिश्रा, अशोक गुप्ता, रंजना मिश्रा समेत बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

यूनिवर्सिटी में जमकर हंगामा, प्राक्टर और छात्रों में नोकझोंक, मामला गरमाया तो भागे प्रोफेसर

संवाददाता–गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में अराजकता का आलम मंगलवार को एक बार फिर सामने आया। प्रशासनिक भवन परिसर में अनशन कर रहे छात्रों ने अतिरिक्त नियंता डॉ. वेद प्रकाश राय को घेर लिया और उनके साथ हाथापाई की कोशिश की। स्थिति बिगड़ती देख डॉ. राय किसी तरह वहां से भागकर बचने में सफल रहे। विश्वविद्यालय के सुरक्षा गार्डों ने साहस दिखाते हुए हमलावर छात्रों को रोका। घटना के बाद परिसर में अफरा–तफरी मच गई। डॉ. वेद प्रकाश राय प्रशासनिक भवन के गेट को खुलवाने गए थे। मामले की सूचना पर स्थानीय पुलिस भी मौके पर पहुंची। पुलिस ने किसी तरह स्थिति को संभाला और परिसर में तनाव को नियंत्रित किया। घटना ने विश्वविद्यालय की सुरक्षा व्यवस्था और प्रशासनिक नियंत्रण पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। विश्वविद्यालय में प्रशासनिक अधिकारियों के साथ दुर्व्यवहार का यह पहला मामला नहीं है। अगस्त में तत्कालीन कुलपति प्रो. पूनम टंडन को भी महाविद्यालय के शिक्षकों ने प्रशासनिक भवन परिसर में घेरकर दौड़ा लिया था। स्थिति ऐसी बनी कि कुलपति को पैदल अपने आवास तक जाना पड़ा था। लगातार सामने आ रही ऐसी घटनाओं से विश्वविद्यालय परिसर में अनुशासन और प्रशासनिक नियंत्रण पर सवाल उठ रहे हैं। अनशनकारियों ने प्रशासनिक भवन के दोनों गेट में ताला लगा दिया। जिससे कार्यालयों में लोग फंस गए थे। मैं प्रशासनिक भवन के गेट में लगे ताले को खुलवाने गया। अनशनकारी मुझपर हमलावर हो गए। कैंट थाने में तहरीर दे दी है। — डॉ. वेद प्रकाश राय, अतिरिक्त नियंता, गोरखपुर विश्वविद्यालय

826 मोबाइल बरामद, 1.49 करोड़ के फोन मालिकों को लौटाए

संवाददाता–गोरखपुर। गुम और चोरी हुए मोबाइल की बरामदगी में गोरखपुर पुलिस ने एक और बड़ी सफलता हासिल की है। भारत सरकार के सीईआईआर पोर्टल की मदद से पुलिस ने 11वें चरण में 826 एंड्रॉयड मोबाइल बरामद किए हैं। इनकी अनुमानित कीमत 1 करोड़ 49 लाख एक हजार 394 रुपये बताई जा रही है। पुलिस ने बरामद मोबाइल उनके वास्तविक मालिकों को लौटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुलिस लाइन में मंगलवार को आयोजित प्रेसवार्ता में एसपी सिटी निमिष पाटील ने इसकी जानकारी दी। इस दौरान एएसपी अरुण कुमार एस मौजूद रहे। एसपी सिटी ने बताया कि मोबाइल गुम या चोरी होने के बाद संबंधित थाने से उसका विवरण सीईआईआर पोर्टल पर दर्ज कराया जाता है। मोबाइल दोबारा किसी नेटवर्क पर सक्रिय होने पर पोर्टल से उसकी ट्रेसबिलिटी डिटेल मिलती है। इसके आधार पर पुलिस मोबाइल की लोकेशन और उसमें इस्तेमाल हो रहे सिम नंबर की जानकारी जुटाकर संबंधित व्यक्ति तक पहुंचती है और मोबाइल बरामद करती है। यूआरएल और उससे जुड़े मोबाइल नंबरों की जांच कर रही है।

सूत्रों के अनुसार, सोमवार को कुछ लोगों से पूछताछ भी की गई। जमीन विवाद के चलते महिला सिपाही के पटीदारों पर भी संदेह जताया जा रहा है। हालांकि, पुलिस अभी सभी पहलुओं की जांच कर रही है। एसपी क्राइम सुधीर जायसवाल ने बताया कि आरोपी की पहचान कर जल्द कार्रवाई की जाएगी।

महिला सिपाही साइबर उत्पीड़न की हुई शिकार

संवाददाता–गोरखपुर। अपराधियों पर कार्रवाई करने वाली पुलिसकर्मी खुद साइबर उत्पीड़न का शिकार हो गई। शहर के एक थाने में तैनात 26 वर्षीय महिला आरक्षी का अश्लील फोटो और मोबाइल नंबर फेसबुक पर वायरल किए जाने का मामला सामने आया है। फोटो और नंबर वायरल होने के बाद महिला सिपाही के मोबाइल पर अलग–अलग नंबरों से लगातार अश्लील कॉल आने लगीं। कॉल करने वाले आपत्तिजनक बातें करने के साथ व्हाट्सएप पर अश्लील मैसेज और फोटो भी भेज रहे हैं। लगातार आ रही कॉल और मैसेज से परेशान महिला सिपाही ने मोबाइल बंद कर दिया। मानसिक रूप से परेशान होने के बाद उसने थाने में तहरीर दी। पुलिस ने मामले में तीन सितंबर को एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बलिया की रहने वाली महिला सिपाही ने पुलिस को बताया कि 17 अगस्त को वह थाने में सरकारी काम कर रही थी। इसी दौरान उसके मोबाइल पर लगातार अनजान नंबरों से कॉल आने लगीं। कुछ देर बाद व्हाट्सएप पर भी अश्लील मैसेज और आपत्तिजनक फोटो भेजे जाने लगे। एक कॉलर से सख्ती से पूछताछ करने पर उसने बताया कि फेसबुक पर एक फर्जी आईडी बनाई गई है। इस आईडी पर महिला सिपाही का अश्लील फोटो और मोबाइल नंबर डालकर हजारों लोगों को उससे अश्लील बातचीत के लिए उकसाया जा रहा है। इसके बाद बड़ी संख्या में लोग उसे कॉल और मैसेज कर रहे हैं। महिला सिपाही की तहरीर पर पुलिस ने संबंधित आईटी एक्ट और बीएनएस की धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की है। जांच थाने के एक दरोगा को सौंपी गई है। पुलिस टीम फेसबुक आईडी, प्रोफाइल का

बाढ़ पीड़ित 150 परिवारों को बांटी राहत किट, अब तक 2000 किट वितरित

संवाददाता–अयोध्या। रुदौली तहसील क्षेत्र में सरयू नदी के बढ़े जलस्तर के बीच तहसील क्षेत्र में बाढ़ प्रभावित परिवारों को राहत पहुंचाने का सिलसिला जारी है। मंगलवार को पस्ता माफी बाढ़ चौकी पर इस सत्र में आठवीं बार राहत किट का वितरण किया गया। कृषि मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही और विधायक रामचंद्र यादव की मौजूदगी में 150 परिवारों को राहत किट वितरित की गईं। राहत सामग्री ग्राम सलाहपुर और महंगू का पुरवा मजरे संदरी के बाढ़ प्रभावित परिवारों को दी गई। विधायक रामचंद्र यादव ने बताया कि तहसील में अब तक 2020 राहत किट वितरित की जा चुकी हैं। इनमें आठ अगस्त को 125, 19 अगस्त को 225, 20 अगस्त को 284, 22 अगस्त को 386, तीन सितंबर को 150, पांच सितंबर को 312, छह सितंबर को 388 और आठ सितंबर को 150 राहत किट शामिल हैं। राहत किट में आटा, चावल, दाल, आलू, प्याज, नमक, बाल्टी, तिरपाल समेत 26 प्रकार की सामग्री दी गई है। वहीं, बाढ़ प्रभावित पशुपालकों के लिए भूसे का भी वितरण किया जा रहा है। प्रशासन के अनुसार अब तक करीब एक हजार क्विंटल भूसा वितरित किया जा चुका है। इसमें नौ अगस्त को 158.3 क्विंटल, 21 अगस्त को 208.8 क्विंटल, 29 अगस्त को 141 क्विंटल और 31 अगस्त को 295.4 क्विंटल 8 सितंबर को 300 क्विंटल भूसा शामिल है।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश
(आर्डर 9 कायदा 9) (2)
अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
इजरा सं0– 24 / 2025
राजनरायन चौधरी
बनाम
मनोज कुमार

1. मनोज कुमार उम्र 45 साल पुत्र दयाशंकर गुप्ता निवासी मोहल्ला बाटा की गली पिकौराबक्स पो0 गांधीनगर तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 10–09–2026

हरगाह मुद्दई मजकूरसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 10 माह 09 सन 2026 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुर्दा की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुदाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान तहसीलदार (न्यायिक) बस्ती सदर जिला–बस्ती
वाद सं0 767
अन्तर्गत धारा 34 / 35 भू0रा0अधि0
मोहनी सिंह
बनाम
सीताराम

1. मोहनी सिंह पत्नी पवन कुमार सिंह साकिन गनवरिया कला तप्पा रूधौली हाल मुकाम पिकौरा दत्तूराय तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 10–09–2026

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 10 माह 09 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबावदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा। बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख 03 माह 09 सन 2026 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0–
अदालत– श्रीमान जिलाधिकारी महोदय बस्ती जिला बस्ती
रामशब्द
बनाम
सरकार उत्तर प्रदेश आदि

1. हरिराम 2. पतिराम 3. छोटेलाल पुत्रगण रामजग ग्राम पेलनी तप्पा छपिया परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला बस्ती 4. रामचन्द्र पुत्र जगदेव ग्राम पेलनी तप्पा छपिया परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला बस्ती

तारीख पेशी 16–09–2026

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 16 माह 09 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 07 माह 09 सन 2026 ई0 जारी किया गया।

– द0 हाकिम

पनवेल के लिए गोरखपुर से रोज चलेगी ट्रेन

संवाददाता–गोरखपुर। पनवेल तक नई ट्रेन चल जाने से यात्रियों को सहूलियत मिलेगी। गोरखपुर से इस समय में मुंबई के लिए 7 ट्रेनें चलती हैं। बावजूद इसके यहां के लिए हमेशा मारामारी रहती है। नई ट्रेन स्लीपर क्लास की वजह से इसमें अधिक संख्या और कम किराए में मुंबई तक की यात्रा पूरी की जा सकेगी। इस बार दीपावली के पहले मुंबई से आने और फिर यहां से वापस जाने वाले यात्रियों को बड़ी सहूलियत मिलेगी। गोरखपुर से बढ़नी होते हुए पनवेल (महाराष्ट्र) तक रोजाना एक नई ट्रेन चलाने की तैयारी है। डुमरियागंज सांसद जगदम्बिका पाल की पहल पर रेलवे बोर्ड ने एनई रेलवे को शेड्यूल बनाने को कहा है। बोर्ड के निर्देश पर एनई रेलवे ने शेड्यूल बना लिया है। जल्द ही इसे अंतिम स्वीकृति मिलने की उम्मीद है। इसके चल जाने से एक साथ 1600 यात्री यात्रा कर सकेंगे और वेटिंग पर काफी हद तक अंकुश लगने की संभावना है। गोरखपुर से पनवेल तक नई ट्रेन चल जाने से यात्रियों को बड़ी सहूलियत मिलेगी। गोरखपुर से वर्तमान में मुंबई के लिए सात ट्रेनें चलती हैं। बावजूद इसके यहां के लिए हमेशा मारामारी रहती है। नई ट्रेन स्लीपर क्लास की वजह से इसमें अधिक संख्या और कम किराए में यात्री मुंबई तक की यात्रा पूरी कर सकेंगे। बिना एसी वाली अमृत भारत एक्सप्रेस आम यात्रियों के लिए डिजाइन की गई है। नई ट्रेनों में सीसीटीवी कैमरे लगे रहेंगे। टॉक–बैक सिस्टम से यात्री आपात स्थिति में सीधे लोको पायलट व ट्रेन मैनेजर से संपर्क कर सकेंगे। वैक्यूम बायो टॉयलेट, आरामदायक सीटों की सुविधा मिलेगी। 22 बोगियों वाली अमृत भारत एक्सप्रेस में 1834 यात्री सफर कर सकेंगे। प्रारंभिक प्रस्तावों के अनुसार ट्रेन की समय–सारणी बन गई है। अभी इस पर और मंथन चल रहा है। संभावना जताई जा रही है कि इसे जल्द ही रेलवे बोर्ड के पास फाइनल मंजूरी के लिए भेज दिया जाएगा। मंजूरी मिलने के बाद इसके संचलन का रास्ता साफ हो जाएगा। बता दें कि गोरखपुर के सदर सांसद रवि किशन ने गोरखपुर होते हुए राजधानी चलाने की मांग की थी। ऐसे में इस नई ट्रेन के प्रस्ताव से ये साफ है कि उसी दिशा में कवायद चल रही है। सांसद ने कई बार मुद्दे पर रेलमंत्री अश्वनी वैष्णव से मुलाकात की थी। वहीं, पूर्वोत्तर रेलवे जल्द ही पूर्वोत्तर राज्य मिजोरम से भी जुड़ने वाला है। रेलवे बोर्ड ने सेवाओं में विस्तार करते हुए मिजोरम तक ट्रेन चलाने की कवायद शुरू की है।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0–1309 / 2023
क0वाद सं0–T202317140301309
धारा 116 उ0प्र0रा0सं0–2006
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी (न्यायिक) महोदय बस्ती जिला बस्ती
ठाकुर प्रसाद
बनाम
रामसागर आदि

साकिन मौजा गोरया तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती

1. रामसागर 2. मेवालाल 3. अम्बिका (मृतक) 4. विजय कुमार पुत्रगण श्रीपत साकिनान मौजा रैपुरा जंगल तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती 3/1 आलोक 3/2 अमन पुत्रगण स्व0 अम्बिका साकिनान मौजा रैपुरा जंगल तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 29–09–2026

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 29 माह 09 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

– द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेस्पान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्रर समायत अपील
अदालत– श्रीमान बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0– /
धारा 11 जो0च0अधि0
रामकिशोर
बनाम
राम शिरोमणि आदि

बावत ग्राम केवाड़ी मुस्तहकम तप्पा ऊंजी परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती

1. राम शिरोमणि पुत्र सालिकराम 2. राघवेन्द्र पुत्र रामसजीवन 3. शिवपल्टन पुत्र सुग्रीव 4. त्रिलोकी 5. जवाहिर पुत्रगण शिवमूरत 6. दिलीप 7. प्रदीप पुत्रगण वंशबहादुर 8. रजनीश पुत्र चिन्ताहरण 9. दिवाकर 10. सुधाकर पुत्रगण त्रिलोकी 11. रामजी 12. श्यामजी 13. लालजी पुत्रगण रामजनक 14. ज्ञानमती पत्नी रामजनक निवासीगण ग्राम केवाड़ी मुस्तहकम तप्पा ऊंजी परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 01–10–2026

अपील बनराजी आदेश अदालत च0अ0 मुकाम बस्ती मयरिखा 18 महीना 03 सन् 1974 ई0 रेस्पान्डेन्ट।

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिग्री इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 01 महीना 10 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जवाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है की मैंने अपना नाम नीरज गुप्ता से बदल कर नीरज कुमार गुप्ता रख लिया है। अब मुझे इसी नाम से जाना व समझा जाये।

(नीरज कुमार गुप्ता)
पुत्र – शिव शंकर गुप्ता
निवासी – पाण्डेय बाजार
पोस्ट – पुरानी बस्ती
जिला – बस्ती पिन – 272002

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्मुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com